दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्षः 30 | अंकः 242 | भोपाल, मंगलवार 16 सितंबर 2025 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में 1 करोड़ का इनामी नक्सली ढेर, कौन था सहदेव सोरेन?

हजारीबाग एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग जिले में सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। यहां सोमवार सुबह से जारी एनकाउंटर में सुरक्षा बलों ने 1 करोड़ के इनामी नक्सली सहदेव सोरेन उर्फ परवेश समेत 3 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। सहदेव सोरेन सेंट्रल कमेटी का सदस्य था। वहीं दो अन्य नक्सलियों पर 25 लाख और 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था। बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही कहा है कि मैं एक बार फिर माओवादियों से अपील करता हूं कि वे हथियार डाल दें। सशस्त्र क्रांति अब अप्रासंगिक हो चुकी हैं। जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप विकास और कल्याण के मार्ग पर चलें। सुरक्षा बलों की इस सफलता पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 'एक्स'पर लिखा था, नक्सलियों के विरुद्ध हमारे सुरक्षा बलों ने आज एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

आचार्य देवव्रत महाराष्ट्र के नए राज्यपाल बने

मुंबई एजेंसी। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सोमवार को महाराष्ट्र के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्होंने सीपी राधाकृष्णन का स्थान लिया है, जिन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। शपथ ग्रहण समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आचार्य देवव्रत की नियुक्ति का आदेश जारी किया था। एनडीए के उम्मीदवार चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन 9 सितंबर को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए। उपराष्ट्रपति बनने के बाद, सीपी राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद उन्होंने राज्यसभा के सभापति का पदभार संभाला।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वैश्विक मंचों पर बढ़ाया है हिन्दी का मान, रवीन्द्र भवन में हुआ भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान कार्यक्रम

जैसे मां के चरणों में चारधाम, वैसे ही मातृभाषा की गोद में आनंदधामः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां और मातृभाषा से ऊपर दूसरा कोई नहीं है। मां और मातृभाषा ही हमारी सबसे बड़ी पालक हैं। इनका स्थान कोई नहीं ले सकता है, जैसे मां के चरणों में चारधाम है, उसी प्रकार मातृभाषा की गोद में आनंदधाम है। जितना सटीक हमारी मातृभाषा का व्याकरण है, उतना ही समृद्ध हिन्दी साहित्य है। उन्होंने कहा कि 52 वर्णों में गुंथी हुई हिन्दी की वर्णमाला ही हमारी पहली पाठशाला है।

जो अ से अनपढ़ बच्चे की अंगुली पकड़कर ज्ञ से ज्ञानी बना दे, वही हिन्दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हिन्दी विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। अंग्रेजी और मंदारिन के बाद हिन्दी विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। हिन्दी हमारी संस्कृति को जोड़ती है। हिन्दी के बिना हमारा साहित्य, हमारी भावनाएं और हमारी संवेदनाएं यकीनन अधूरी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में हिन्दी दिवस के अनुक्रम में आयोजित भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में हिन्दी साहित्य लेखन और हिंदी के व्यापक स्तर पर लोकव्यापीकरण में योगदान देने वाले देश-विदेश के हिन्दी के 10 मूर्धन्य साहित्यकारों को विभिन्न राष्ट्रीय हिन्दी भाषा सम्मानों से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न साहित्यिक पुस्तकों का विमोचन/लोकार्पण भी किया।

कार्यक्रम के दौरान ही महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव 2025 को एशिया के शासकीय समारोह की विशेष श्रेणी में वॉव अवार्ड एशिया की टीम द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सम्मान स्वरूप गोल्ड अवार्ड भेंट किया गया। कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण अभियान अंतर्गत देश हित में द सूत्र का अभियान Be इंडियन, Buy इंडियन, हमारी-लक्ष्मी-

हमारे पास का शुभारंभ किया गया। आरएनटीयू के विश्व हिंदी ओलंपियाड एवं विश्वरंग के पोस्टर का लोकार्पण भी इस अवसर पर किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज ही अभियंता दिवस भी मनाया गया है। उन्होंने सभी को अभियंता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारत एकमात्र देश है, जहां सर्वाधिक मातृभाषा हिंदी बोली जाती है। भगवान श्रीराम ने हजारों साल पहले मातृभाषा की गरिमा का उल्लेख किया था। आल्हा-ऊदल के महाकाव्य में हिंदी की सुंदरता देखने को मिलती है। रानी लक्ष्मीबाई और रानी दुर्गावती पर काव्य लिखकर इसे पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। राजाभोज के काल में कविता के रचनाकारों को स्वर्ण मुद्राएं देकर सम्मानित किया जाता था। महाकवि कालिदास की रचनाओं से मालवी, भीली, कोरकू जैसी अनेक भाषाएं निकली हैं। उन्होंने कहा कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने हिंदी काव्य रचनाओं को अलग स्थान दिलाया। उन्होंने 50 वर्ष के राजनीतिक जीवन में सर्वाधिक समय नेता प्रतिपक्ष के पद को सुशोभित किया। वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के हर बड़े मंच पर हिंदी भाषा में संबोधन के जरिए भारत को गौरवान्वित करते हैं। उनके पहुंचने मात्र से ही मंच प्रकाशमय हो जाता है।

कार्यक्रम में संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि हिंदी विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में तीसरे स्थान पर है। हिंदी हमारी सांस्कृतिक चेतना और हमारे विचारों को दर्शाने वाली भाषा है। सभी सम्मानित 10 विभूतियों को मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग की ओर से बधाई देता हूं। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए राज्य सरकार कार्य कर रही है। प्रदेश में मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने की शुरुआत हुई है।

आरएनटीयू के कुलगुरु डॉ. संतोष चौबे ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा कला, संस्कृति के क्षेत्र में शुरू हुए कार्य देशभर में पहचान बना रहे हैं। विश्वरंग दुनिया के कई देशों तक फैल चुका है। मॉरीशस सहित अनेक देशों में हिंदी पढ़ाई जाती है।

विश्व हिंदी ओलंपियाड 50 देशों में आयोजित हो रहा है और करीब 4 से 5 लाख लोग इसमें शामिल होंगे। विश्वरंग का समापन श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री जी को विश्व हिंदी ओलंपियाड के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हैं।

अपर मुख्य सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि भारतीय भाषा अनुष्ठान हिंदी के सम्मान का एक उल्लास पर्व है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वॉव अवार्ड एशियन टीम ने सौंपा गोल्ड अवार्ड

10 मूर्धन्य साहित्यकार को राष्ट्रीय हिंदी भाषा सम्मान

पूरे देश पर पड़ेगा असर

बिहार एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

- गैरकानूनी प्रक्रिया मिली तो पूरी कवायद कर दी जाएगी रद्द

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए भरोसा दिलाया कि यदि प्रक्रिया गैरकानूनी हुई तो पूरी कवायद रद्द कर दी जाएगी।

अदालत ने कहा कि यदि चुनाव आयोग ने मतदाता सूची संशोधन में किसी भी तरह की गैरकानूनी प्रक्रिया अपनाई है, तो पूरा अभियान रद्द किया जा सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह फैसला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे देश में चल रही SIR कवायदों पर लागू होगा।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि सुप्रीम कोर्ट मानकर चलता है कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और कानून का पालन करता है।

अदालत ने इस मामले में अंतिम बहस और सुनवाई के लिए 7 अक्टूबर की तारीख तय की है। गौरतलब है कि पिछले सोमवार को अदालत ने आदेश दिया था कि मतदाता सूची संशोधन के लिए आधार कार्ड को भी वैध दस्तावेज माना जाए।

सीमांचल क्षेत्र को पीएम मोदी की बड़ी सौगात

पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन किया

एजेंसी | पूर्णिया

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार दौरे पर पहुंचे हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्णिया हवाई अड्डे के नए सिविल एन्क्लेव में अंतरिम टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया, जो हवाई अड्डा क्षमता और सुविधाओं को बढ़ाएगा।

यह नया टर्मिनल एयरपोर्ट की सुविधाओं और क्षमता में इजाफा करेगा और इलाके के विकास और इंटरकनेक्टिविटी में मदद करेगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने 36 हजार करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी है। सोमवार को पूर्णिया

पहुंचकर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इसके बाद वे खुली गाड़ी से लोगों का अभिवादन करते हुए मंच तक पहुंचे।

गाड़ी में उनके साथ सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी मौजूद थे। पूर्णिया एयरपोर्ट बिहार का चौथा कमर्शियल एयरपोर्ट बन गया है। एयरपोर्ट के शुभारंभ से सीमांचल क्षेत्र के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा। आस-पास के जिलों के लोगों को हवाई सेवा का लाभ मिलेगा। पूर्णिया के अलावा अररिया, कटिहार, किशनगंज, मधेपुरा, सहरसा और सुपौल की जनता को इसका सीधा फायदा मिलेगा। पटना, गया और दरभंगा के बाद पूर्णिया बिहार का चौथा एयरपोर्ट बन गया है, जहां से अब लोग देश के दूसरे हिस्सों में उड़ान भर सकते है।

नेपाली पीएम ने कैबिनेट में भ्रष्टाचार विरोधी छवि वालों को दी प्राथमिकता

एजेंसी | काठमांडू

सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली नेपाल की अंतरिम सरकार में ओमप्रकाश अर्याल को गृह मंत्री, रामेश्वर खनाल को वित्त मंत्री, कुलमान घीसिंग को ऊर्जा मंत्री और बालानंद शर्मा को रक्षा मंत्री बनाया गया है।

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिग्देल ने जेन-जेड समूहों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करने के बाद सुशीला कार्की को देश का नेतृत्व सौंपने की घोषणा की। बता दें राष्ट्रपति पौडेल ने प्रदर्शनकारियों की मांग को स्वीकार करते हुए वर्तमान संसद को भंग कर दिया। मार्च 2026 तक नए चुनाव कराने के वादे के साथ सुशीला कार्की ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व संभाला है। पीएम सुशीला कार्की ने अपनी कैबिनेट में भ्रष्टाचार विरोधी छवि वाले और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को प्राथमिकता दी है। सूत्रों के मुताबिक ये नियुक्तियां जेन-जेड प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों जैसे- पारदर्शिता, सुशासन और युवा प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर की जा रही हैं। ओमप्रकाश अर्याल को गृह मंत्री बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट के चर्चित वकील अर्याल सुशीला कार्की के भरोसेमंद सहयोगी माने जाते हैं।

भारतीय नौसेना में आन्द्रोत शामिल होने से समुद्र में बढ़ेगी ताकत

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय नौसेना के बेड़े में स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धपोत आन्द्रोत शामिल हो गया है जो हिंद महासागर में भारत की समुद्री ताकत को मजबूत करेगा। यह नया पोत चीन की बढ़ती गतिविधियों के बीच पनडुब्बी रोधी और तटीय निगरानी क्षमताओं को सशक्त करता है, जो आत्मनिर्भर भारत के तहत रक्षा विनिर्माण में मील का पत्थर है। आन्द्रोत उथले जल में संचालित आठ पनडुब्बी रोधी युद्धपोतों में से दूसरा युद्धपोत है, जिसका निर्माण कोलकाता के ह्यगार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने किया है।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक यह जहाज शनिवार को भारतीय नौसेना को सौंपा गया, जो रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारतीय नौसेना की पनडुब्बी-रोधी और तटीय निगरानी क्षमताओं को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी जहाजों को शामिल किया जा रहा है। आन्द्रोत नाम का रणनीतिक और प्रतीकात्मक महत्व है।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे

ट्रैक्टर चलाकर राहुल पहुंचे गांव, गुरदासपुर में किसानों से की मुलाकात

एजेंसी | अमृतसर

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे। वे गुरदासपुर जिले के घोनेवाल गांव पहुंचे, जो बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में गिना जा रहा है। यहां बांध टूटने से खेतों और घरों में पानी भर गया था।

इस दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीड़ित परिवारों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। गांव में पैदल चलकर पहुंचने के बाद उन्होंने करीब आधा किलोमीटर तक ट्रैक्टर भी चलाया। इस दौरान राहुल गांधी ने

क्षतिग्रस्त घर वाले एक परिवार से मुलाकात की। वहीं बाढ़ एक ग्रामीण ने कहा, कि यह अच्छी बात है कि राहुल गांधी हमारे पास, हम सब से मिलने आए। हम चाहते हैं कि हमारा घर बने और बेटे को नौकरी मिले। बाढ़ के कारण घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। राहुल गांधी के दौरे के दौरान पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी भी उनके साथ मौजूद रहे।

इससे पहले राहुल गांधी अमृतसर पहुंचे थे, जहां स्थानीय नेताओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के साथ गुरुद्वारा श्री समाध बाबा बुड्ढा साहिब जी में मत्था टेका और प्रदेश की भलाई के लिए अरदास की। गौरतलब है कि पंजाब में हालिया बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, राज्य के 23 जिलों के करीब 2,097 गांव बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। लगभग 1,91,926 हेक्टेयर में खड़ी फसलें नष्ट हो गई हैं, जिससे किसानों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। अब तक 15 जिलों में कम से कम 52 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पार्टी राज्य सरकार और केंद्र पर दबाव बनाएगी ताकि बाढ़ पीड़ितों को शीघ्र राहत और उचित मुआवजा मिल सके। राहुल गांधी का यह दौरा राजनीति से हटकर बाढ़ प्रभावित किसानों और ग्रामीणों के साथ एकजुटता जताने के रूप में देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने अंबानी के वनतारा को क्लीनचिट दी

नई दिल्ली एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, जामनगर स्थित वनतारा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में जानवरों की खरीद-बिक्री नियमों के दायरे में हुई है। इस सेंटर को अंबानी परिवार का रिलायंस फाउंडेशन चलाता है। कोर्ट ने कहा कि विशेष जांच दल की रिपोर्ट में कोई गड़बड़ी नहीं मिली है। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा, अब इस मामले को बार-बार उठाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। एक वकील सीआर जया सुकीन और दूसरी याचिका देव शर्मा ने जुलाई में कोल्हापुर के जैन मठ से हाथी 'माधुरी' को वनतारा में ले जाने के विवाद के बाद दायर की थी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति है विकसित भारत का दस्तावेजः प्रो.संजय द्विवेदी

उच्च शिक्षा के समकालीन परिदृश्य एवं चुनौतियां पर व्याख्यान

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर स्थित मदन मोहन मालवीय शिक्षक-प्रशिक्षक केंद्र द्वारा आयोजित 12 दिवसीय पुनश्चर्या (रिफ्रेशर) पाठ्यक्रम में उच्च शिक्षा का समकालीन परिदृश्य एवं चुनौतियां - विकसित भारत 2047 के विशेष संदर्भ में विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. संजय द्विवेदी, पूर्व महानिदेशक, भारतीय जनसंचार संस्थान (नई दिल्ली) ने भारतीय उच्च शिक्षा की वर्तमान चुनौतियों, नीतिगत परिवर्तनों और भावी संभावनाओं पर विस्तृत विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 के बाद उच्च शिक्षा क्षेत्र में अकादमिक लचीलेपन, बहुविषयक दृष्टिकोण, कौशल आधारित पाठ्यक्रम तथा अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा उच्च शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आधारशिला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ही

विकसित भारत का दस्तावेज है। प्रो. द्विवेदी ने सतत् विकास लक्ष्यों और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को जोड़ते हुए उच्च शिक्षा की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि वह रोजगार सृजन, नवाचार, उद्यमिता, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों को भी समाहित करे। 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए हमें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के साथ स्थानीय आवश्यकताओं को संतुलित करना होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मीडिया और संचार के नए परिदृश्य, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसी चुनौतियां विश्वविद्यालयों के लिए नए अवसर भी ला रही हैं। भारत के पास युवा शक्ति, प्रौद्योगिकी और परंपरागत ज्ञान का अद्वितीय संगम है, जिसे उचित नीति और प्रबंधन से विश्व पटल पर अग्रणी बनाया जा सकता है। प्रो. द्विवेदी ने प्रतिभागियों को आह्वान किया कि वे अपने-अपने संस्थानों में गुणवत्ता सुधार, अनुसंधान संवर्धन, नई शैक्षिक विधियों तथा सामुदायिक सहभागिता पर कार्य करें ताकि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली 2047 तक विश्व की अग्रणी प्रणालियों में शामिल हो सके। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं विश्वविद्यालय के पितृपुरुष डॉ. हरीसिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से हुआ। स्वागत भाषण पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. रजनीश अग्रहरि ने दिया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन संदीप पाठक ने प्रस्तुत किया। संचालन श्री प्रदीप विश्वकर्मा ने किया। इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग से डॉ. अलीम अहमद एवं डॉ. विवेक जायसवाल, शिक्षा विभाग से डॉ. धर्मेंद्र सर्राफ, डॉ. अभिषेक प्रजापति, डॉ. नवीन सिंह, डॉ. आयुष गुप्ता, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. आकाश मालवीय, साथ ही आंजनेय शुक्ल, अमर मणि, विशाल, प्रशांत, शशि यादव सहित अनेक शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संपादकीय

विकसित देश में भी सरकार की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी आम जनता

यह विचित्र है कि फ्रांस जैसे विकसित देश में भी सरकार की वैसी नीतियों के खिलाफ आम जनता को सड़क पर उतरने की जरूरत पड़ रही है, जिसमें आरोप के मुताबकि, लोगों के जीवन को बेहतर करने के लिए कुछ भी नहीं किया गया। गौरतलब है कि राजनीतिक अस्थिरता को झेलते फ्रांस में बजट कटौती को लेकर पहले ही विरोध का माहौल बना हुआ था। ऐसे में दो राष्ट्रीय छुट्टी को रद्द करने, 2026 में पेंशन पर रोक लगाने और स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च में अरबों डालर की कटौती करने जैसे प्रस्तावों ने लोगों के भीतर व्यापक आक्रोश पैदा किया। इन सबको फ्रांस के लोग कार्य-संस्कृति और सेहत के मुद्दे के साथ खिलवाड़ के तौर पर देख रहे हैं और सरकार की ओर से मिलने वाली सेवाओं से वंचित करने का आरोप लगा रहे हैं। बीते कुछ वर्षों के दौरान फ्रांस में अलग-अलग मुद्दों पर जिस तरह जनाक्रोश और व्यापक पैमाने पर हिंसक विरोध प्रदर्शन देखे गए, एक तरह से उसी की अगली कड़ी की तरह इस बार भी 'सब कुछ रोक दो' के नारे के तहत भारी संख्या में लोगों का सड़कों पर उतर आना कोई हैरानी की बात नहीं है। यह समझना मुश्किल है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपनी सरकार के खिलाफ बार-बार आंदोलन की वजहों पर विचार करने की जरूरत क्यों नहीं महसूस हो रही। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि फ्रांस में लोगों का गुस्सा इस कदर भड़क गया है और सड़कों पर हिंसक प्रदर्शन दिख रहे हैं। इससे पहले भी पिछले कुछ वर्षों के दौरान कई ऐसे मौके आए, जब सरकार के नीतिगत फैसलों के जनता पर पड़ने वाले विपरीत असर के मद्देनजर वहां व्यापक जनाक्रोश उभरा और नतीजतन भारी पैमाने पर हिंसा देखी गई। पेंशन मिलने की उम्र बढ़ाने, ईंधन की कीमत में बढ़ोतरी, लैंगिक समानता और महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने जैसे मुद्दों पर भी वहां कई बार आंदोलन हुए हैं।

श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य ही श्राद्ध है

रमेश सर्राफ धमोरा

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरुआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है।

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आर्शावाद प्राप्त होता है।

श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है।

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुन: जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुन: जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है।

इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कौन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों।

राजनीतिक

धार्मिकता का ढोंग और मृत संवेदनायें

लेखिका -निर्मल रानी

हमारा भारत वर्ष कृषि प्रधान होने के साथ साथ धर्म प्रधान देश भी माना जाता है। यहाँ सुबह चार बजे से ही विभिन्न धर्मों के लोग अपने अपने आराध्य को खुश करने के मिशन में अपने अपने तरीक़े से जुट जाते हैं। धर्मस्थलों में लगे लाउडस्पीकर ब्रह्म मुहूर्त में ही देशवासियों को अपने अपने आराध्य व अपने देवालयों की ओर आकर्षित करने लगते हैं।

इसके अलावा भी देश भर में निकलने वाले विभिन्न धर्मों के धार्मिक जुलूस,शोभा यात्रायें,सत्संग में होने वाले संतों के प्रवचन, धर्म जागरण के नाम पर चलने वाले अनेक अतिवादी मिशन, कांवड़ जैसी यात्रायें महाकुंभ जैसे विश्वस्तरीय आयोजन, तीर्थ स्थलों में इकट्ठी होने वाली भक्तों की अनियंत्रित भीड़ आदि को देख कर तो एक बार यही लगेगा कि हर समय श्रद्धा व भक्ति भाव में डूबे रहने वाले हमारे धर्म प्रधान देश के लोग बेहद धार्मिक,संवेदनशील और मानवता की क़द्र करने वाले लोग होंगे।

रोज़ाना जगह जगह लगने वाले लंगर,देश भर में संचालित हो रही अनेकानेक जनसेवी संस्थायें भी इसी बात का एहसास दिलाती हैं। परन्तु इसी धर्म प्रधान देश से जहां मानवता की मिसाल पेश करने वाले अनेकानेक क़िस्से सुनाई देते हैं वहीँ कुछ घटनायें ऐसी भी सामने आती हैं जिन्हें सुनकर ऐसा लगता है गोया इसी भारतीय समाज के ही कुछ लोगों की संवेदनायें बिल्कुल ही मुर्दा हो चुकी हैं। ऐसे लोगों में इंसानियत नाम की चीज़ ही नहीं बची है। दिल दहला देने वाली ऐसी ही एक घटना पिछले दिनों उत्तर प्रदेश राज्य के महराजगंज ज़िले में स्थित नौतनवा क़स्बे में पेश आई। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित नौतनवा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के शहर गोरखपुर से लगभग 87 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस पूरे पूर्वांचल क्षेत्र में धर्म ध्वजा पूरे वेग से लहराती है। इसी नौतनवा नगर पालिका के अंतर्गत राजेंद्र नगर वॉर्ड से एक बड़ा ही हृदयविदारक दृश्य सामने आया। इस ताज़ातरीन घटना ने तो इंसानियत को झकझोर कर रख दिया। समाचारों के अनुसार रेहड़ी ठेले पर गली गली चूड़ियां बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करने वाले 50 वर्षीय लव कुमार पटवा नामक एक व्यक्ति का लंबी बीमारी के बाद देहांत हो गया। लव कुमार की पत्नी का निधन भी अभी मात्र छह माह पहले ही हुआ था। अब उसके परिवार में उसके दो बेटे 14 वर्षीय राजवीर व 10 वर्षीय देवराज तथा एक छोटी बेटी बचे थे। अब इन्हीं बच्चों पर अपने मृत पिता के अंतिम संस्कार की ज़िम्मेदारी थी। उसका कोई भी रिश्तेदार या पड़ोसी अंतिम संस्कार करने के लिये सामने नहीं आया। बच्चों की दादी आई भी तो रो पीट कर वापस चली गयी। बच्चे अंतिम संस्कार करने या उसके लिये सहायता करने की भीख समाज से मांगते रहे। यहाँ तक कि तीन दिन तक लाश घर में सड़ती रही। ज़रा सोचिये कि क्या गुज़र रही होगी उन मासूम बच्चों पर जब वे अपने बाप की रेहड़ी पर ही अपने बाप की सड़ी हुई लाश रखकर लोगों से अंतिम संस्कार हेतु पैसे मांगते फिर रहे होंगे ? जब यह बच्चे ठेले पर लाश लेकर श्मशान घाट पहुंचे तो बताया गया कि वहां जलाने हेतु लकड़ी नहीं है। और फिर जब यह बेगुनाह मासूम अपने बाप के शव को लेकर क़ब्रिस्तान पहुंचे तो क़ब्रिस्तान वालों ने यह कहकर लाश को दफ़्न करने से मना कर दिया कि यह शव हिन्दू का है। आख़िरकार बच्चे लाश को ठेले पर रखकर सड़क पर खड़े होकर रोने बिलखने लगे। कोई दुर्गन्ध से अपनी नाक बंद कर गुज़र जाता तो कोई उन बदनसीब बच्चों की फ़ोटो खींचता या वीडिओ बनाता परन्तु मदद करने के लिये धर्म जागृत समाज का कोई भी व्यक्ति सामने न आता। हद तो यह है कि ठेले पर शव रखा देखने व मृतक लव कुमार के स्थानीय व्यक्ति होने के बावजूद कुछ लोग यह कहकर आगे बढ़ जाते कि यह भीख मांगने का नया ट्रेंड है । इसी दौरान यह मायूस बच्चे जब अपने बाप की लाश को ठेले पर ढकेलते हुये नदी की ओर रोते बिलखते जा रहे थे तभी राहुल नगर वार्ड के निवासी रशीद क़ुरैशी की नज़र उन बच्चों व उनके साथ दुर्गन्ध मारती लाश पर पड़ी। बच्चों ने रोते बिलखते अपनी सारी पीड़ा रशीद से सांझी की। रशीद ने तुरंत अपने भाई व उसी राहुल नगर (वार्ड 17) के पार्षद वारिस क़ुरैशी को फ़ोन पर पूरी घटने की जानकारी दी। उसके बाद दोनों क़ुरैशी बंधुओं ने सर्वप्रथम उन रोते बच्चों को ढारस बंधाई और उन्हें संभाला। उसके बाद अंतिम संस्कार हेतु लकड़ी व आवश्यक सामग्री का प्रबंध किया। फिर समाज के कुछ लोगों को साथ लेकर शमशान घाट जाकर हिन्दू रीति रिवाज के साथ मृतक का अंतिम संस्कार कराया। आज उस इलाक़े के लोग मानवता की रक्षा करने वाले क़ुरैशी भाइयों की इंसानियत को जहाँ सलाम कर रहे हैं, वहीं उनके रिश्तेदारों और पड़ोसियों की बेरुख़ी तथा नगर पालिका की लापरवाही पर भी घोर ग़ुस्सा जता रहे हैं। साथ ही उस इलाक़े के हिन्दू जागरण अभियान में जुटे लोगों को भी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं।

सुविचार

जो आत्म अनुशासन नहीं रख सकता, वह दूसरों को अनुशासन का पाठ कैसे पढ़ा सकता है।

- सूत्रकृतांग

राशिफल

मेष	आज आप काफी सकारात्मक रहेंगे। शरीर व मन में नई ऊर्जा महसूस करेंगे। नौकरी व्यापार को बढ़ाने के लिए आर्थिक योजनाओं पर विचार करेंगे।
वृष	आज आप मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं द्य कार्यालय में काम का बोझ महसूस करेंगे। धन की स्थिति सामान्य रहेंगी।
मिथुन	आज दिन की शुरुआत अच्छी होंगी लेकिन जैसे जैसे दिन ढलेगा आप व्यक्तिगत रिश्तों को लेकर भावनात्मक हो सकते हैं। आप मानसिक थकान महसूस कर सकते हैं।
कर्क	आज का दिन खुशियां लेकर आएगा। जिन जातकों को नौकरी की तलाश है या कोई जॉब इंटरव्यू देने जा रहे हैं सफलता का योग है।
सिंह	आज का दिन की शुरुआत बेहद खास रहने वाली है। बुद्ध एवं चन्द्रमा आपके लाभ भाव में गोचर कर रहे हैं आकस्मिक धन लाभ हो सकता है।
कन्या	किसी नए काम अथवा बड़े काम की आज शुरुआत न करें बल्कि जो काम चल रहे हैं उन्हें ही पूर्ण करें। यात्रा करते समय सावधानी रखें सामान गुम हो सकता है।
तुला	आज का दिन खूब मेहनत करेंगे। मेहनत का पूर्ण फल आपको जरूर मिलेगा । रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों को सफलता प्राप्त होगी।
वृश्चिक	आज का दिन आप स्वयं को ऊर्जावान महसूस करेंगे। शरीर में चुस्ती फुर्ती बनी रहेंगी। छोटे भाई बहनों का सहयोग प्राप्त होगा।
धनु	जीवन एवं व्यक्तिगत जीवन में सामंजस्य बैठा के चले। नौकरी व्यापार के लिए आज का दिन बहुत अच्छा नहीं है आपको दोनों तरह की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।
मकर	आज का दिन आप काफी ऊर्जावान रहेंगे। आज आप शरीर में नई स्फूर्ति का संचार एवं ऊर्जा महसूस कर सकते हैं।
कुंभ	कार्यक्षेत्र में जो भाग दौड़ उठा पटक बनी हुई थी आज उससे आपको राहत मिलेंगे। कोई बड़ा काम पूरा होने की खुशी महसूस होंगी।
मीन	आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। मेहनत रंग लाएगी। हाथ आए हर अवसर को आप लाभ में बदल सकते हैं। धन का आगमन होगा।

चुरहट के पन्द्रहवें और अंतिम राव रण बहादुर सिंह

लेखक - शिव कुशवाह

बघेल वंशावली में रीवा के मूल पुरूष व्याघ्रदेव के दो पुत्र कर्णदेव और कंधार देव हुए। कर्णदेव का विवाह मंडला के कलचुरि हिहरा की राजकुमारी से सम्पन्न हुआ। उस समय बांधवगढ़ का किला दहेज के रूप में प्राप्त हुआ। कर्णदेव बघेल रीवा के महाराजा हुए। उन्होंने अपने छोटे भाई कंधार देव को महाराज की उपाधि से विभूषित करवा कर (कसौटा इलाहाबाद) का इलाका प्रदान कर दिया। इन्ही कंधार देव की 18 वी पीढ़ी में राजा कर्ण सिंह के दो पुत्र राव मेंदिनी सिंह व विक्रमादित्य सिंह का जन्म हुआ। रीवा राजा रामचंद्र जूदेव के पुत्र वीरभद्र देव के साथ में विक्रमादित्य अकबर की सेवा में हाजिर हुये। इस बीच राव मेदनी सिंह ने कसौटा की गद्दी पर अपना अधिपत्य स्थापित कर खुद को राजा घोषित कर दिया।

दिल्ली से लौटने पर विक्रमादित्य सिंह ने गद्दी के लिए संघर्ष की बजाय अपने बाहुबल पर भरोसा रखते हुए नये स्थान पर राज्य स्थापित करने का मन बनाया। रीवा के महाराजा रामचंद्र बघेला (1555-92) ने विक्रमादित्य को चुरहट का इलाका (जहां पर भरवालन्द और सेमौंतहा ब्राह्मण उद्दंड हो गये थे, पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए) प्रदान किया। रीवा महाराजा की आज्ञा पर विक्रमादित्य सिंह ने कैमूर पहाड़ के दक्षिण स्थित नैकिन ग्राम में डेरा डाला और 1566 ई. में सेमौतहा के ब्राह्मण के अधीन समस्त भू-भाग पर अधिकार स्थापित कर लिया। चुरहट की जागीर रीवा महाराजा की शह पर छीने जाने से नाराज सेमौंतहा के ब्राह्मण अकबर के पास इलाहाबाद पहुंचे, जहां उस दौरान अकबर किले का निर्माण अपनी देखरेख में करवा रहा था। ब्राह्मणों की जागीर छिनने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अकबर ने रीवा महाराजा रामचंद्र को दरबार में उपस्थित होने के लिए आदेशित किया। रामचंद्र को दरबार में हाजिर करने के लिए जैने खां कोका और सीधी जिले के घोघरा निवासी राजा वीरबल को भेजा गया। राजा रामचंद्र अकबर से मुलाकात करने के लिए टाल मटोल किया। लेकिन बीरबल ने अनहोनी का भय दिखाकर रामचंद्र को अकबर से जाकर मुलाकात करने के लिए राजी कर लिया। रामचंद्र अपने साथ काफी भेंट लेकर अकबर के दरबार में हाजिर हुए। जिससे प्रभावित होकर अकबर ने उन्हें माफ कर सम्मान सहित रीवा राज्य के लिए भेज दिया। इस तरह चुरहट पर विक्रमादित्य सिंह के अधिपत्य को लेकर दिल्ली से भी स्वीकृति प्राप्त हो गयी। ब्राह्मणों से चुरहट का इलाका छीनने के बाद विक्रमादित्य सिंह ने उनकी अधूरी चुरहट में बनी हुई गढ़ी को पूरा करवा कर उसी में रहने लगे। उस समय यह इलाका पूर्व में बघौह से लेकर पश्चिम से रामनगर तक तथा उत्तर में कैमोर से दक्षिण में खड्डी तथा सेमरिया तक फैला हुआ था। विक्रमादित्य के पश्चात राव मेदनी सिंह गणेश सिंह संग्राम सिंह और मदन सिंह क्रमश: चुरहट के राव हुये। मदन सिंह की दो पत्नियो से 18 पुत्र उत्पन्न हुये इनमे जठी पत्नी के पुत्र अवस्था मे छोटे और छोटी पत्नी के पुत्र अवस्था मे बड़े हुए थे। इससे राव मदन सिंह बड़ी पत्नी के बारह पुत्रो को साथ लेकर रामपुर नैकिन चले गये और दोनो ठिकानो की सीमा भी घुघरी नदी से पृथक कर लिया था। अब छोटी पत्नी के छ: पुत्रो में से मदन सिंह के बाद इनके बडे पुत्र करन सिंह चुरहट के राव हुयें। इनके पांच भाईयो में से केवल चार भाइयो की जानकारी मिलती है। इनमे आपसी हिस्सा बांट मे लाल शाह को मोहनिया, जोरावर सिंह को बड़खड़ा, वैरीसाल को लकोडा तथा पृथ्वी सिंह को घोघरा का भू-भाग मिला थां ।करन सिंह के भी चार पुत्र हुये। बड़े धर्मागढ सिंह चुरहट के राव हुये। दूसरे पुत्र को कोचिटा, तीसरे पुत्र अचल सिंह को मबई और चौथे केशरी सिंह को सांडा की जागीर हिस्सा बांट में प्रदान की गई। धर्मागढ के इकलौते पुत्र हिमांचल सिंह थे, जिनसे पांच पुत्र पैदा हुये। इनमें ज्येष्ठ पुत्र उद्वत सिंह के तीन पुत्रो में से बड़े पुत्र दलजीत सिंह तो चुरहट की गद्दी पर रहे और अन्य दो छोटे भाईयो मे से भीमक सिंह को डढिया तथा द्धंद्ध सिंह को कपुरी हिस्सा बांट में प्रदान किया गया। दलजीत सिंह के चार पुत्रो मे से बडे भगवन्त सिंह तो चुरहट की गद्दी पर रहे और अन्य छोटे भाईयो में से जयंत सिंह को चन्दनिया, अन्नत सिंह को गन्नौड़ और धौकल सिंह को टीकट खुर्द का भू-भाग हिस्सा बांट मे प्रदान किया गया।

भगवन्त सिंह के उत्तराधिकारी उनके इकलौते पुत्र जबरदस्त सिंह हुये, जिन्होने अंग्रेजी डाक को अपने भू-भाग से नही निकलने दिया। इसकी शिकायत अंग्रजो ने रीवा नरेश जय सिंह जू देव महाराजा से की जिससे इनका बघऊ का सारा भू-भाग छीनकर रीवा राज्य में मिला लिया गया था।

जबरदस्त सिंह के बाद उनके बड़े पुत्र रणधीर सिंह चुरहट के ग्यारहवे राव हुये और छोटे अवधेश सिंह के वीर बहादुर और फतह बहादुर दो पुत्र हुये। इनमें से बड़े वीर बहादुर सिंह रणधीर सिंह के पुत्र न होने के कारण उनके गोद में चले गये और चुरहट के 12 वे राव हुये। इनके पुत्र महेन्द्र बहादुर सिंह की कोई संतान नहीं थी। तब फतह बहादुर सिंह के पुत्र शिवबहादुर सिंह उनकी गोद में गये और चुरहट के चौदहवे राव हुये। इनके बडे पुत्र का नाम राव रण बहादुर सिंह था। जो चुरहट के पन्द्रहवे और अंतिम राव हुये। आपके अन्य तीन भाइयो मे से अर्जुन सिंह का सॉड़ा, सज्जन सिंह का चौफाल और गंगा सिंह को अकौरी का भू-भाग हिस्से मे प्रदान किया गया। स्वतंत्रता के पूर्व इस इलाके की वार्षिक आय 101885/- रूपये थी।

कार्टून

संवाद से ही निकलेगा हल, सरकार सबके हित में काम कर रही है

भोपाल। मप्र में लैंड पूलिंग एक्ट को लेकर किसानों के 16 सितंबर के प्रदर्शन से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा भाव है कि सबसे संवाद करके सबके हित की बात सोचकर चले। महाकुम्भ में सुरक्षा व्यवस्था,बेहतर प्रबंधन के साथ स्थायी संरचना के काम धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार काम कर रही है। सरकार सभी किसानों को साथ लेकर चल रही। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि विकास के क्रम को बराबर बनाए रखें, विकास के रास्ते पर सभी साथ चलते है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि लगातार हमारे विकास के कामों को सबका समर्थन मिलता हैं उसी भाव से हम चल रहे है। बता दें सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के लिए उज्जैन में किसानों की जमीनों के स्थायी अधिग्रहण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन भारतीय किसान संघ ने प्रदेशव्यापी विरोध का ऐलान किया है। सोमवार को संगठन के पदाधिकारी प्रधानमंत्री के नाम अलग-अलग जिलों में कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपेंगे। मंगलवार यानी 16 सितंबर को उज्जैन में बड़ा प्रदर्शन होगा। किसान संघ की ओर से करीब 500 से ज्यादा ट्रैक्टरों की रैली निकाली जाएगी। इस प्रदर्शन में भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्रा भी शामिल होंगे। मिश्रा यहां आंदोलन की आगे की रणनीति और चरणबद्ध कार्यक्रम का एलान कर सकते हैं। 17 गावों की जमीन पर स्थायी अधिग्रहण किया जा रहा किसानों का कहना है कि सिंहस्थ क्षेत्र के लगभग 17 गांवों की जमीनों का स्थायी अधिग्रहण किया जा रहा है, जिससे उनकी आजीविका पर संकट खड़ा हो जाएगा। वे चाहते हैं कि सरकार लैंड पूलिंग एक्ट पर पुनर्विचार करे और उनकी सहमति के बिना जमीन न ली जाए।

रोलिंग बजट विकसित मप्र का मजबूत आधार बनेगा

मप्र में बजट की तैयारियां शुरू, विभागवार चर्चा में जुटे अधिकार

भोपाल। आगामी वित्तीय वर्ष के बजट को लेकर सोमवार से अधिकारियों ने मंथन शुरू कर दिया है। पहले दिन योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, आनंद, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा और ऊर्जा विभाग के अधिकारी बजट पर चर्चा हई। दरअसल, मप्र सरकार अब बजट बनाने की नई प्रणाली अपनाने जा रही है। प्रदेश में पहली बार तीन साल का त्रिवर्षीय रोलिंग बजट तैयार किया जाएगा। इसका लक्ष्य है कि विकास योजनाएं लंबे समय तक प्रभावी रहें और 2047 तक विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। इसके साथ ही प्रदेश शून्य आधारित बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट वाला पहला राज्य बनेगा। प्रदेश सरकार का फोकस केवल आर्थिक वृद्धि पर ही नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना निर्माण और सामाजिक न्याय पर भी है। इसी दिशा में सरकार ने मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए बजट को अगले पांच वर्ष में दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। सरकार का कहना है कि इस प्रणाली से योजनाएं केवल कागजों में नहीं रहेंगी, बल्कि जमीनी स्तर पर उनका असर दिखेगा। इससे वित्तीय अनुशासन, जवाबदेही और विकास कार्यों में तेजी आएगी। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि यह पहल विकसित मध्य प्रदेश 2047 की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में ठोस आधार बनेगी और देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक आदर्श साबित होगी। देवड़ा ने कहा कि शून्य आधारित बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट से न केवल प्रदेश की योजनाओं का ठोस मूल्यांकन होगा, बल्कि प्रत्येक खर्च का सीधा संबंध समाज की आवश्यकताओं और राज्य की प्राथमिकताओं से जोड़ा जा सकेगा।

तीन वर्षों की रूपरेखा

रोलिंग बजट में वर्ष 2026-27, 2027-28 और 2028-29 को शामिल किया जाएगा। हर योजना की स्वीकृति से पहले उसका मूल्यांकन होगा। यह देखा जाएगा कि योजना पर कितना खर्च आएगा, उसका आर्थिक असर क्या होगा और वह जनता तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचेगी। सरकार ने तय किया है कि जिन विभागों को केंद्र सरकार से फंड मिलता है, उनकी निगरानी भी की जाएगी। इसके अलावा ऑफ-बजट खर्च, ऋण, प्रोत्साहन योजनाएं और नई योजनाओं की स्वीकृति की प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाया जाएगा। कर्मचारियों के वेतन में चार प्रतिशत सालाना वृद्धि का प्रावधान रहेगा। साथ ही अनुसूचित जाति के लिए 16 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति के लिए 23 प्रतिशत बजट सुनिश्चित किया जाएगा। प्रदेश में इस साल पिछले वर्षों के मुकाबले महीने भर पहले से वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट निर्माण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। वित्त विभाग के अपर सचिव व उप सचिव अन्य विभागों के अपर सचिव, उप सचिव रैंक के अधिकारियों और विभागाध्यक्षों के साथ विभागावार बजट की तैयारियों पर चर्चा करेंगे।

विभागवार इस तरह होगी चर्चा

आज से शुरू हुई बजट चर्चा 29 सितंबर तक चलेगी। पहले दिन सोमवार को योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी, आनंद, विमानन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने चर्चा की। वहीं 16 सितंबर को लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, प्रवासी भारतीय, उच्च शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, लोक सेवा प्रबंधन, जेल, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग, 17 सितंबर को संसदीय कार्य, वाणिज्यिककर, पर्यावरण, स्कूल शिक्षा, सहकारिता, महिला एवं बाल विकास, भोपाल गैस त्रासदी व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, 18 सितंबर को तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार, पशुपालन, धार्मिक न्यास, जनसंपर्क, श्रम व जल संसाधन विभाग, 19 सितंबर को पर्यटन, मछुआ कल्याण, आयुष, सामान्य प्रशासन व लोक निर्माण विभाग, 22 सितंबर को खनिज साधन, सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, कृषि, पिछड़ा वर्ग व नर्मदा घाटी विकास विभाग, 23 सितंबर को परिवहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कृषि व वित्त विभाग, 24 सितंबर को खेल एवं युवा कल्याण, सामाजिक न्याय व गृह विभाग, 25 सितंबर को संस्कृति, खाद्य, अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमन्तु व अर्धघुमन्तु जनजाति, विधि एवं विधायी कार्य विभाग, 26 सितंबर को औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, उद्यानिकी व अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, 29 सितंबर को नगरीय विकास एवं आवास, कुटीर एवं ग्रामोद्योग व जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी बजट पर चर्चा करेंगे।

सार समाचार

साढ़े तीन लाख की शराब सहित तस्कर गिरफ्तार

भोपाल। भोपाल में लग्जरी कार से शराब की तस्करी करने वाले तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से साढ़े तीन लाख रुपए कीमत की 254 लीटर अवैध शराब जब्त की गई है। यह शराब विदिशा से भोपाल लाई जा रही थी। जिसकी डिलिवरी अलग-अलग होटलों में दी जानी थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। टीआई रामबाबू चौधरी ने बताया कि रविवार रात को मुखबिर की सूचना पर बायपास चौराहा से घेराबंदी कर सफारी स्ट्रोम वाहन को रोका था। इसकी तलाशी में डिक्की और पिछली सीट में भरी 28 पेटी अंग्रेजी शराब मिली। जिसकी कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपए है। पूछताछ करने पर आरोपी की पहचान आदिल शेख (29) निवासी विदिशा के रूप में की गई। आरोपी ने बताया कि वे भोपाल में अलग-अलग स्थानों पर इस शराब को खपाने वाला था। पूछताछ कर उसके सहयोगियों की जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी की कार को भी जब्त कर लिया गया है।

मप्र में इंजीनियरिंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट बनेगा

भोपाल। मप्र में इंजीनियरिंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट बनेगा। जिसमें ट्रेनिंग देकर इंजीनियरों को दक्ष बनाया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे इंजीनियर-डे पर सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियंता का मतलब आरंभ और शुभारंभ कर्ता है। सीएम ने कहा कि वैज्ञानिक शोध करते हैं, लेकिन जनता की सुगमता के लिए बीच की कड़ी अभियंता होते हैं। कोरोना के दौर में हमने नमस्कार को चमत्कार देखा। अच्छे-अच्छे राष्ट्राध्यक्ष हाथ जोड़े खड़े थे। पार्लियामेंट की दोनों डिजाइन देखो तो पुरानी वाली मितावली पढ़ावली की है। नए भवन की डिजाइन हमारे बीजा मंडल की है। सृजन वालों से आज के समय में अभियंता ही जुड़ता है। कई सरकार हमारे कामों को अपना रहीं सीएम ने कहा कि देश में कई सरकारें हमारे कामों को अपना रही हैं। समय पर निर्माण करने वालों को सम्मानित करना चाहिए। वो जमाना गया जब ताजमहल बनने के बाद हाथ काट दिए जाते थे। अब तो ताजमहल जैसे कामों का ठेका लेने दस लोग खड़े रहते हैं। पुष्पक विमान की विशेषता थी कि कम लोग हों तो वह सिकुड़ जाता था और ज्यादा लोग हों तो साइज बढ़ जाता थे, लेकिन एक सीट खाली रह जाती थी। आज वैसा विमान बना नहीं। आप लोग बजरंगबली से कम थोड़े हो बुद्धि से रास्ते बनाने का काम इंजीनियर करते हैं चिनाव जैसे ब्रिज आप लोगों ने बनाए।

इंदौर के सांदीपनि मालव कन्या विद्यालय को मिला एक्सीलेंस स्कूल अवार्ड

भोपाल। सांदीपनि मालव कन्या विद्यालय इंदौर ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) का एक्सीलेंस राष्ट्रीय स्तर का स्कूल अवार्ड जीता है। अलायंस फॉर री-इमेजिनिंग स्कूल एजुकेशन अवार्ड (अराइज) फिक्की का प्रतिष्ठित अवार्ड है। विद्यालय को अवार्ड बच्चों में अकादमिक विषयों से आगे बढ़कर भविष्य के लिये स्किल्स डेव्हलपमेंट के क्षेत्र में नवाचार किये जाने केलिये दिया गया है। विद्यालय के बच्चों को कम्प्यूटर में कोडिंग सिखाई जा रही है। इसी के साथ कम्युनिकेशन और क्रिएटिव की नई तकनीक सिखाई जा रही है। सरकारी स्कूल के बच्चों में स्किल डेवलप कर भविष्य के लिये तैयार किया जा रहा है। नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में हुए कार्यक्रम में अनेक शिक्षाविद् के साथ हाल ही में भारत से स्पेस स्टेशन पर गये ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला भी मौजूद थे। प्रदेश के लिये गौरव की बात है कि देश के एक हजार स्कूलों में इंदौर के सांदीपनि विद्यालय ने अपने नवाचार कार्यक्रम के जरिये यह पुरस्कार जीता है। पुरस्कार प्राचार्य रामकृष्ण कोरी और उनकी टीम ने प्राप्त किया। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में पीपल फाउंडेशन की मदद से बच्चों में कम्प्यूटर में दक्षता के लिये यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। ज्यूरी सदस्यों में केन्द्र सरकार की पूर्व शिक्षा सचिव सुश्री अनीता करवाल और नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर एजुकेशन के चेयर पर्सन प्रो. पंकज अरोरा भी शामिल थे।

सुभाष उत्कृष्ट स्कूल में रेडक्रॉस द्वारा सुपोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। शासकीय सुभाष उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल में रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा बालक एवं बालिकाओं के लिए सुपोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को संतुलित और पौष्टिक आहार के महत्व से अवगत कराना था, जिससे वे स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, रेडक्रॉस सोसायटी के जनरल सेक्रेटरी रामेन्द्र सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, संतुलित आहार और स्वच्छ भोजन ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है। उन्होंने बच्चों को नागरिक कर्तव्यों की जानकारी भी दी और कहा कि हम सभी भारतीयों को अपने कर्तव्यों को समझना और निभाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान रामेन्द्र सिंह द्वारा एक मेधावी छात्रा को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि, बाल संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. निशा सक्सेना ने सुपोषण के वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न पोषक तत्वों झ जैसे कि प्रोटीन, विटामिन, खनिज तत्व आदि झ और उनके लाभों की जानकारी दी। डॉ. सक्सेना ने बच्चों को अपने आहार में हरी सब्ज़ियां, फल, दालें और दूध शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, सही पोषण से न केवल शारीरिक विकास होता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता भी बेहतर होती है।

महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार के लिए प्रदेशभर में लगेंगे 20 हजार शिविर

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री बोले

भोपाल। महिलाओं और किशोरियों के संपूर्ण स्वास्थ्य की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 17 सितंबर को मध्यप्रदेश से ह्यस्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान प्रदेशभर में 20 हजार से अधिक स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे, जहां महिलाओं को मुफ्त जांच, परामर्श और इलाज की सुविधाएं मिलेंगी। अभियान का फोकस मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण, गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग और टीबी उन्मूलन पर रहेगा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि यह अभियान प्रदेश के लिए अवसर और चुनौती दोनों है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार हुआ है, लेकिन अभी लंबा सफर तय करना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। जिससे ज्यादा से ज्यादा परिवार तक लाभ पहुंचे। अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण की समीक्षा और किशोरियों में एनीमिया स्क्रीनिंग व उपचार किया जाएगा। साथ ही पोषण, आहार और मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम चलेंगे। एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5 जिले, 5 विकासखंड, 15 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 10 गैर-सरकारी संगठनों को सम्मानित किया जाएगा।

मप्र में लैंड पूलिंग एक्ट के विरोध में प्रदर्शन

भारतीय किसान संघ ने पीएम के नाम दिया ज्ञापन

भोपाल। भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में किसानों की समस्याओं को लेकर सोमवार को पूरे प्रदेश में आंदोलन किया। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर किसान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। राजधानी में मुख्यमंत्री ने बिल पर सभी से संवाद की बात कही है। 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ के लिए किसानों की जमीनों के स्थायी अधिग्रहण के मामले पर आरएसएस का अनुषांगिक संगठन भारतीय किसान संघ ने सोमवार को पूरे मप्र में विरोध प्रदर्शन किया। उज्जैन सिंहस्थ क्षेत्र में करीब 17 गांवों के किसानों की जमीनों का स्थायी अधिग्रहण को लेकर किसान और भारतीय किसान संघ ने कलेक्टरों को ज्ञापन दिया। मंगलवार को उज्जैन में करीब 500 से ज्यादा ट्रेक्टरों की रैली निकाली जाएगी। उज्जैन के विरोध प्रदर्शन में भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्रा शामिल होंगे। मिश्रा लैंड पूलिंग एक्ट को लेकर किसान संघ के आगे के आंदोलन की भी घोषणा करेंगे। पीएम के नाम किसानों की प्रमुख मांगें - खेती में लगने वाले बीज, खाद, दवाइयों और यंत्रों से जीएसटी पूरी तरह हटाया जाए। आयात-निर्यात नीति किसानों के हित में बने, फसल तैयार होने पर आयात न किया जाए। कृषि यंत्र, बीज और दवाइयों पर जीएसटी की दर न्यूनतम रखी जाए। देश में जीएम बीजों (जीन परिवर्तित बीज) को किसी भी स्थिति में अनुमति न दी जाए। कपास पर हटाया गया आयात शुल्क दोबारा लागू किया जाए।

शिक्षक भर्ती परीक्षा का 4 माह में नहीं आया रिजल्ट

राजधानी की सडकों पर उतरे अभ्यर्थी, डीपीआई का किया घेराव

भोपाल। मध्य प्रदेश में वर्ग-2 शिक्षक भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी न होने से नाराज अभ्यर्थी सोमवार को राजधानी की सडकों पर उतर आए। प्रदेश भर से आए सैकड़ो उम्मीदवार रिजल्ट जारी करने की मांग लेकर मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड पहुंचे जब वहां सुनवाई नहीं हुई तो उसके बाद पैदल मार्च करते हुए डीपीआई पहुंचे और वहीं बैठ गए। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं की जाएगी प्रदर्शन जारी रखेंगे। इस दौरान अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की और विरोध दर्ज कराया। अभ्यर्थियों ने बताया कि दिसंबर 2022 से शुरू हुई मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा वर्ग-2 की प्रक्रिया अभी तक परिणाम के इंतजार में अटकी हुई है। हाई कोर्ट की रोक हटने के बाद भी रिजल्ट में देरी से अभ्यर्थी मानसिक तनाव में हैं। अभ्यर्थियों ने कहा कि तीन साल से भर्ती प्रक्रिया ही चल रही है, यह पूरी नहीं की जा रही। रिजल्ट घोषित होने के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में भी समय लगेगा। अभ्यर्थियों की मांग है कि वर्ग-2 शिक्षक भर्ती परिणाम तीन दिनों के भीतर घोषित किया जाए। यदि देरी का कारण तकनीकी या प्रशासनिक है, तो प्रेस नोट जारी किया जाए। देरी से हुए मानसिक तनाव की जिम्मेदारी ईएसबी को लेनी चाहिए।

स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी

अभ्यर्थियों ने यह भी बताया कि कुछ पदों, जैसे खेल और संगीत के शिक्षक में पिछले 20 वर्षों से भर्ती नहीं हुई है। हालांकि, स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। इसके पीछे की बड़ी वजह भर्ती प्रक्रिया में विफलता है। परिणाम घोषित होने के बाद भी डोक्यूमेंट वेरिफिकेशन में समय लगने से नियुक्ति प्रक्रिया में और देरी हो सकती है। स्कूलों में शिक्षकों की कमी होने के बाद भी शिक्षक भर्ती उस अनुपात में नहीं हो रही। अभ्यर्थियों ने बताया कि उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में हुए 39 हजार से अधिक बिजली संबंधी प्रकरण निराकृत : ऊर्जा मंत्री तोमर

उपभोक्ताओं को मिली 14 करोड़ रुपए की छूट

बिजली कम्पनी को 13 करोड़ 22 लाख रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा 8 हजार 618 प्रकरणों का निराकरण कर विद्युत उपभोक्ताओं को 2 करोड़ 77 लाख रुपए की छूट दी गई है।

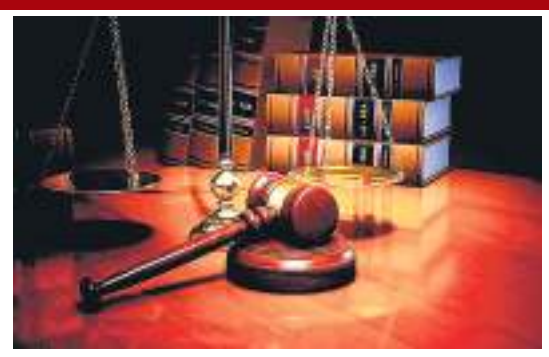

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी है कि गत दिनों आयोजित हुई राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रदेश में 39 हजार 337 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। राष्ट्रीय लोक अदालत में पात्रता अनुसार बिजली उपभोक्ताओं को 14 करोड़ 3 हजार रुपए की छूट दी गई है। बिजली कम्पनियों को 45 करोड़ 13 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा 17 हजार 486 प्रकरणों का निराकरण कर विद्युत उपभोक्ताओं को 7 करोड 33 लाख 83 हजार रुपए की छूट दी गई है। कम्पनी को 21 करोड़ 8 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। इसी तरह पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा 13 हजार 233 प्रकरणों का निराकरण कर विद्युत उपभोक्ताओं को 3 करोड़ 92 लाख रुपए की छूट दी गई है। बिजली कम्पनी को 13 करोड़ 22 लाख रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा 8 हजार 618 प्रकरणों का निराकरण कर विद्युत उपभोक्ताओं को 2 करोड़ 77 लाख रुपए की छूट दी गई है। बिजली कम्पनी को 10 करोड़ 11 लाख रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि लोक अदालत में 10 लाख रूपए तक के सिविल दायित्व के प्रकरणों में समझौते की सीमा निर्धारित थी। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, धारा 126 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों का समझौता किया गया। प्री लिटिगेशन स्तर सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट, लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट प्रदान की गई। धारा 126 के प्रकरणों में सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं विलंब होने पर ब्याज में सौ प्रतिशत की छूट देय थी।

भोपाल में 4 साल से कोटे से ज्यादा बारिश

भोपाल। राजस्थान से मानसून की वापसी होने लगी है। यह सामान्य तारीख से 3 दिन पहले से लौटने लगा है। ऐसे में मध्यप्रदेश से भी अगले सप्ताह से मानसून की वापसी होने की संभावना है। भोपाल में सितंबर महीने की औसत बारिश 7 इंच है, लेकिन पिछले 4 साल से कोटे से ज्यादा पानी बरस रहा है। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो साल 1961 में पूरे सितंबर माह में 30 इंच से ज्यादा पानी गिरा था। वहीं, 24 घंटे में सर्वाधिक 9.2 इंच बारिश का रिकॉर्ड 2 सितंबर 1947 को बना था। इस महीने औसत 8 से 10 दिन बारिश होती है। वहीं, दिन में तापमान 31.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि लो प्रेशर एरिया की एक्टिविटी की वजह से मध्यप्रदेश में बारिश का दौर चल रहा है। अगले 2 दिन भी तेज बारिश हो सकती है। रविवार को दोपहर में भोपाल में करीब एक घंटा तेज बारिश हुई।

पीपीपी मॉडल पर बस संचालन की तैयारी अंतिम चरण में

मुनाफे के साथ घाटे वाले रूटों पर भी बसें चलाना पड़ेगी ऑपरेटरों को

भोपाल। रोडवेज को बंद हुए सालों बीत गए और अब एक बार फिर सरकारी लोक परिवहन सेवा के तहत पीपीपी मॉडल पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बसों का संचालन शुरू होगा, जिसमें ई-बसें भी शामिल रहेंगी और निजी ऑपरेटरों को मुनाफे के साथ घाटे वाले रूटों पर भी बस सेवा देना पड़ेगी। इंदौर और उज्जैन संभाग से यह नई बस सेवा आने वाले समय में शुरू की जा सकती है, जिसके रूटों का सर्वे भी परिवहन विभाग ने करवा लिया है। एक सुझाव श्रीकृष्ण पाथेय से भी इन बसों को शुरू करने का आया है। मुख्यमंत्री ने भी पिछले दिनों इस बस सेवा का सिस्टम देखा और कुछ सुझाव भी दिए। न लाभ ना हानि के आधार पर ये बसें चलाई जाएंगी और इसके संचालन की त्रिस्तरीय व्यवस्था रहेगी। जिस तरह इंदौर में एआईसीटीएसएल और अन्य बड़े शहरों में भी वहां की क्षेत्रीय कम्पनियों का गठन कर सिटी बसों के साथ-साथ दो शहरों और राज्यों के बीच भी बसें चलाई जा रही है। एआईसीटीएसएल द्वारा सिटी बसों के अलावा इंदौर-भोपाल सहित अन्य रूटों पर ऐसी बसों का संचालन किया जा रहा है। अब ये सभी क्षेत्रीय कम्पनियां भी राज्य स्तर पर गठित कम्पनी के अधीन आ गई है और उन पर पूरा नियंत्रण इस राज्य स्तरीय कम्पनी का रहेगा। सीसीटीवी कैमरे, एआई सिस्टम सहित इन बसों का संचालन पीपीपी मॉडल पर होगा और सरकार कोई भी बस नहीं खरीदेगी, बल्कि निजी ऑपरेटरों के माध्यम से ही संचालन करवाएगी। कम्पनी यात्रियों के साथ-साथ कार्गो परिवहन की सुविधा भी देगी और मोबाइल ऐप के जरिए बसों में होने वाली बुकिंग के साथ-साथ मेट्रो, ई-रिक्शा, ऑटो, ई-बाइक की सुविधा को भी जोड़ा जाएगा। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने इंदौर, उज्जैन संभाग से से इन बसों के संचालन को शुरू करने के निर्देश भी दिए। परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह ने मुख्यमंत्री को जो प्रजेंटेशन दिया उसमें परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह और मुख्य सचिव अनुराग जैन भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों और गांवों के नाम बसों की विंड शिल्ड पर स्पष्ट नजर आना चाहिए और सभी बस स्टॉपों पर भी नाम लिखे हों। ड्राइवर, कुशल योग्य और सभी दस्तावेज उसके पास हों। पुलिस सत्यापन भी ड्राइवर-कंडक्टर सहित अन्य स्टॉप का करवाया जाए। यह भी उल्लेखनीय है कि 20 साल बाद इस तरह की परिवहन सेवा शुरू की जा रही है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को केबिनेट से मंजूरी भी दी गई और अब बसें दौड़ाने की तैयारी की जा रही है। हालांकि अभी इसमें थोड़ा समय और लगेगा। शासन ने इसके लिए गठित होडिंग कम्पनी के लिए 101 करोड़ रुपए की अंश पूजी की मंजूरी भी दी है। शहर से लेकर गांव और खासकर आदिवासी अंचलों में भी ये बस सेवा मिलेगी। अभी दरअसल, निजी ऑपरेटरों द्वारा सिर्फ मुनाफे वाले रुटों पर ही बसें चलाई जाती है, जिसके चलते दुरस्त ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों के लोगों को सस्ती, सुगम और उपयोगी सेवा नहीं मिल पाती, जिसके चलते ट्रैक्टर, ट्रॉली, ट्रकों सहित अन्य वाहनों में भरकर लोगों को आना-जाना पड़ता है, जिसके चलते कई बार दुर्घटना भीती है। अब व्यवस्थित बस सेवा प्रदेशभर के यात्रियों को आने वाले कुछ महीनों में मिलने लगेगी।

पंजाब : गुरुद्वारा में टेका मत्था, बाढ़ पीड़ितों से मिलने ट्रैक्टर से पहुंचे राहुल गांधी

पंजाब। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज यानी सोमवार को पंजाब के दौरे पर हैं. इस दौरान वो अमृतसर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे. अमृतसर पहुंचने के बाद वह अजनाला के घोनेवाल गांव गए और बाढ़ प्रभावित लोगों से मिलकर नुकसान का जायजा लिया. घोनेवाल गांव अजनाला के उन कई इलाकों में से एक है जो बाढ़ के पानी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है. इसके बाद राहुल गुरुदासपुर के एक बाढ़ प्रभावित गांव में ट्रैक्टर से पहुंचे. यही नहीं, राहुल गुरुद्वारा श्री समाध बाबा बुड्ढा जी साहिब भी पहुंचे, जहां उन्होंने मत्था टेक कर और प्रदेश की सुख-शांति के लिए अरदास की है. लोकसभा में विपक्ष के नेता के साथ पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा, अमृतसर के सांसद गुरजीत सिंह औजला और अन्य पार्टी नेता भी थे.

कांग्रेस ने की लोगों से मदद की अपील इस बीच कांग्रेस ने कहा कि राहुल गांधी ने पंजाब में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर, राहत कार्यों का जायजा लिया. पंजाब में आई भीषण बाढ़ ने हजारों लोगों का जीवन तबाह कर दिया है. प्रदेश में भारी जान-माल का नुकसान हुआ है, लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं. हालात बहुत भयावह हैं. ऐसे मुश्किल वक्त में कांग्रेस का हर एक कार्यकर्ता पंजाब के साथ है. हमारी सभी से अपील है कि बाढ़ पीड़ित परिवारों की हरसंभव मदद करें. हमें साथ मिलकर इस आपदा को हराना है.

दरअसल, इस बार पंजाब में भीषण बाढ़ आई. यह बाढ़ सतलुज, व्यास और रावी नदियों के उफान के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण मौसमी नालों के उफान का परिणाम थी. इसके अलावा, पंजाब में भारी बारिश ने भी बाढ़ की स्थिति को और गंभीर बना दिया है. हाल ही में आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या अब तक 56 हो गई है, जबकि 1.98 लाख हेक्टेयर में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं.

पीएम मोदी ने किया था हवाई सर्वे 9 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी यात्रा के दौरान बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया था. इसके बाद पंजाब में बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा की गई. उन्होंने बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए 1,600 करोड़ की वित्तीय सहायता की घोषणा की थी, जो राज्य के पास पहले से मौजूद 12,000 करोड़ के अतिरिक्त है. इससे पहले, शिवराज सिंह चौहान, एल मुरुगन और बी एल वर्मा सहित केंद्रीय मंत्रियों ने स्थिति का जायजा लेने के लिए बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था.

किडनी और हर्ट रोगी को मेडिकल कॉलेज में कराएं भर्ती, जनता दर्शन में सीएम योगी का निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन किया. इस दौरान प्रदेश भर से आये हर पीड़ित के पास पहुंचे, शिकायतें सुनीं और समाधान का आश्वासन दिया. जनता दर्शन में 50 से अधिक लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे. रायबरेली से आये किडनी और हर्ट के मरीज को सीएम योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश दिए. 'जनता दर्शन' में रायबरेली के थाना खीरो के ग्राम बरवलिया के एक युवक भी पहुंचे. उन्होंने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उनके पिता किडनी-हृदय व यूरिन की बीमारी से पीड़ित हैं. प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने में अब आर्थिक दिक्कत आ रही है. इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने का निर्देश दिया. मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए अस्पताल से एस्टीमेट भी मंगवाने को कहा.

हर जरूरतमंद को इलाज में मदद जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता के लिए कई फरियादियों ने प्रार्थना पत्र दिया. इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी से कहा कि सरकार हर जरूरतमंद मरीज को इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है. आप भी अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाएं. आपके इलाज के खर्च की चिंता सरकार करेगी. सरकार विगत 8 वर्ष से हर जरूरतमंद को निरंतर आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है.

नन्हे-मुन्नों को भी दुलारा, दी चॉकलेट जनता दर्शन में कई फरियादियों के साथ बच्चे भी आए, जिन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुलार भी किया. नन्हे-मुन्नों के सिर पर हाथ फेर अपनत्व का अहसास कराया. सीएम योगी ने सभी बच्चों को चॉकलेट-टॉफी भी प्रदान की.

श्रीनगर-जम्मू एनएच का प्रबंधन नहीं कर सकते तो हमें सौंप दें, उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से कहा

श्रीनगर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग को फिर से खोलने में असमर्थ है तो उसे इस राष्ट्रीय राजमार्ग का नियंत्रण निर्वाचित सरकार को सौंप देना चाहिए क्योंकि लंबे समय तक बंद रहने से लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं. उमर ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा, हाईवे बंद होने से ट्रक चालक काफी परेशान हैं, और व्यापारी समूह परेशान हैं.अगर हाईवे मेरे अधीन होता, तो मैं इसे अब तक खोल चुका होता. यह राजमार्ग भारत सरकार के अधीन है. अगर वे इसका प्रबंधन नहीं कर सकते, तो इसे हमें सौंप दें.

250 किलोमीटर लंबा यह राजमार्ग, जो घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है, भूस्खलन और खराब रखरखाव के कारण बार-बार बंद हो रहा है, जिससे फलों की खेप और आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही बाधित हो रही है. उमर ने कहा कि इस स्थिति के कारण क्षेत्र के कुछ व्यापार संगठनों ने विरोध प्रदर्शन

शुरू कर दिया है तथा उनके इस्तीफे की मांग की है.

पिछले महीने से राजमार्ग बंद है, जिसकी वजह से सामान और आवश्यक वस्तुओं से लदे सैकड़ों ट्रक फंसे हुए हैं. इसके परिणामस्वरूप पेट्रोल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में कमी आई है. अब्दुल्ला ने कहा, उनकी सरकार ने धैर्य रखा है, लेकिन चेतावनी दी कि यह स्थिति अब और नहीं चल सकती. उन्होंने कहा कि, मैं इंजीनियरों की एक टीम भेजकर उन्हें वहां तैनात करूंगा. हमारे लिए, अब बहुत हो गया. क्योंकि रोज़ाना वे हमसे कहते थे, आज होगा, आज होगा, आज होगा. लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है. मुख्यमंत्री ने कहा कि वह केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से बात कर सड़क को तुरंत बहाल करने और ट्रकों की आवाजाही के लिए पुन: खोलने के लिए दबाव डालेंगे.

उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सड़क परिवहन पर दबाव कम करने के लिए नव-उद्घाटित मालगाड़ी सेवा को नियमित परिचालन में बदलने का भी आग्रह किया. उन्होंने कहा, अभी यह एक ट्रेन है, आज इसका औपचारिक उद्घाटन हुआ. उमर ने कहा, हम आभारी हैं. लेकिन जब तक राजमार्ग पूरी तरह से स्थिर नहीं हो जाता, इसे बार-बार चलाते रहें.

वक्फ विधेयक पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का स्वागत किया अब्दुल्ला ने वक्फ विधेयक पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का भी स्वागत किया और एलजी मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले जम्मू-कश्मीर प्रशासन से सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (PSA) के एक मामले को वापस लेने का आग्रह किया, जिस पर एक अदालत ने सवाल उठाया था. उन्होंने कहा कि पीएसए के तहत हिरासत अत्यधिक प्रतीत होती है, और कहा, चुपचाप, मौन तरीके से, प्रशासन को अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए और उसे जाने देना चाहिए. वक्फ विधेयक पर उन्होंने कहा कि इसमें सिर्फ़ एक समुदाय की संस्थाओं को ग़लत तरीक़े से निशाना बनाया गया है.

हजारीबाग नक्सली एनकाउंटर- दीवार पर खून के धब्बे, बिखरे शव दहशत में ग्रामीण, अमित शाह ने कहा- जल्द खत्म होगा नक्सलवाद

हजारीबाग झारखंड के हजारीबाग जिले के गोरहर थाना क्षेत्र के पतितिरी में पुलिस और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन बड़े माओवादी मारे गए. एक करोड़ का इनामी नक्सली कमांडर सीसीएम सहदेश सोरेन उर्फ परवेश, साथ ही दो अन्य माओवादी जिनमें 25 लाख का इनामी रघुनाथ हेम्ब्रम उर्फ चंचल और 10 लाख का इनामी बिरसेन गांझू उर्फ रामखेलावन को सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया.

हजारीबाग पुलिस और सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन की इस कार्रवाई के लिए देश के गृह मंत्री अमित शाह ने बधाई दी है. साथ ही अमित शाह ने कहा कि इस ऑपरेशन के बाद उत्तरी झारखंड के बोकारो क्षेत्र से नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हो गया है, जल्द ही पूरा देश नक्सलवाद की समस्या से मुक्त होगा

सर्च अभियान जारी वहीं हजारीबाग पुलिस के अनुसार, सर्च अभियान अभी भी जारी है. इस अभियान में तीन एके 47 और अन्य सामान बरामद किया गया है.

घटना के बाद जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं. उनके साथ फोरेंसिक फिंगरप्रिंट टीम भी पहुंची है. जिस घर में घटना हुई उसे सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है. जांच टीम कई बिंदुओं पर जांच कर रही है. ऐसे में किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को जाने नहीं दिया जा रहा है. हजारीबाग से फोरेंसिक टीम पहुंच गई है. वहीं हजारीबाग पहुंचे डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि यह बड़ी उपलब्धि सिर्फ झारखंड पुलिस को ही नहीं बल्कि कोबरा, सीआरपीएफ, इंटेलिजेंस, ऑपरेशन को भी मिली है. हमें अपने पुलिस अफसरों पर गर्व है. एक करोड़ रुपये का इनामी केंद्रीय कमेटी सदस्य नक्सली सहदेव सोरेन झारखंड के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के बेटे की हत्या में शामिल था. उसने 183 राइफल लूटी थीं. इतना ही नहीं, उस पर दर्जनों पुलिस जवानों की हत्या का भी आरोप था. डीजीपी ने कहा कि अगर झारखंड पुलिस के पिछले दो सालों की बात करें तो 1 जनवरी से अब तक झारखंड के जवानों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया है. नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन चलाया जा रहा है और हर ऑपरेशन के बाद जवान यही कहते हैं कि यह दिल मांगे मोर. पिछले इतिहास पर नजर डालें तो अब तक झारखंड में 1 साल के अंदर इतनी बड़ी कार्रवाई कभी नहीं हुई. जिससे साफ होता है कि झारखंड पुलिस नक्सलियों के खात्मे के लिए प्रतिबद्ध है. डीजीपी ने कहा कि इस इलाके से नक्सलियों का खात्मा कर दिया गया है. चाईबासा के सारंडा इलाके में कुछ नक्सली ज़रूर सक्रिय हैं. पुलिस उनके पीछे लगी है.

जयपुर में कांग्रेस पर बरसे रामदास अठावले बोले- राहुल गांधी देश को बदनाम कर रहे

जयपुर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास अठावले का कहना है कि विपक्ष को सरकार के अच्छे कामों को प्रोत्साहित करना चाहिए, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाते हैं. ऐसा करके वे देश को बदनाम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अच्छी ट्रेनिंग नहीं मिली है. उन्होंने पीएम मोदी की माता के एआई वीडियो को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा. रामदास अठावले सोमवार को जयपुर के दौरे पर रहे. इस दौरान उन्होंने अधिकारियों की बैठक ली और निर्देश दिए. सर्किट हाउस में उन्होंने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया. प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत भी इस मौके पर मौजूद रहे.

सबका साथ सबका विकास- मीडिया से बातचीत में अठावले ने कहा कि राजस्थान में एससी-एसटी और ओबीसी के विद्यार्थी बड़ी संख्या में हैं, जिनके लिए 900 से ज्यादा हॉस्टल हैं. अंतरजातीय शादी करने पर दंपती को दस लाख रुपए की मदद दी जाती है. मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य से काम कर रही है. प्रदेश की भजनलाल शर्मा सरकार भी एससी-एसटी और ओबीसी को न्याय देने के लिए काम कर रही है. उन्होंने कहा, भारत ने पाकिस्तान को क्रिकेट मैच में करारी शिकस्त दी है. इससे पहले ऑपरेशन सिंदूर में पीएम मोदी के नेतृत्व में सैन्य बलों ने आतंकियों के अड्डे नष्ट किए. राहुल गांधी बेवजह देश को बदनाम कर रहे हैं. कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता का अपमान कर रही है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस में भ्रष्टाचार करने वाले लोग हैं, इसलिए जनता ने सत्ता से बाहर कर दिया. पाकिस्तान को सिखाना पड़ेगा सबक- उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने के बाद करोड़ों की संख्या में टूरिस्ट पहुंचे, इसलिए पाकिस्तान की शह पर आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला किया. अब पाकिस्तान को सबक सिखाना पड़ेगा. हालांकि, सैन्य बलों ने आतंकियों को सबक सिखाया है. उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार एनडीए के नेतृत्व में सीएम बनेंगे.

पीएम मोदी अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रप्रेम के प्रतीक, सीएम पुष्कर सिंह धामी ने साझा किया संस्मरण

उत्तराखंड उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक संस्मरण साझा किया है. मुख्यमंत्री ने लिखा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी जी की कार्यशैली को करीब से देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है. हर मुलाकात से उन्हें अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रप्रेम का नया पाठ सीखने को मिलता है.

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संस्मरण में वाराणसी का एक प्रसंग साझा किया. तब भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक देर रात 1 बजे समाप्त हुई थी. सभी थके हुए थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा अभी एक जरूरी काम बाकी है. मुख्यमंत्री धामी नेआगे बताया कि पीएम मोदी अपने संसदीय क्षेत्र में दिन में निरीक्षण से जनता को असुविधा नहीं देना चाहते, इसलिए रात में ही विकास कार्यों का निरीक्षण करते हैं. मुख्यमंत्री धामी ने लिखा कि प्रधानमंत्री रात भर सड़कों पर परियोजनाओं का जायजा लेते रहे और सुबह 9 बजे बैठक में पहले की तरह ऊर्जा और एकाग्रता के साथ उपस्थित हुए. इस अनुशासन और समर्पण ने सभी के हृदय पर गहरी छाप छोड़ी. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जीवन उदाहरण है कि सच्चा नेतृत्व उपदेश देने में नहीं, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करने में है.

कुमार विश्वास की पत्नी मंजू शर्मा का इस्तीफा मंजूर, राज्यपाल बागडे ने किया स्वीकार

जयपुर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राजस्थान लोक सेवा आयोग की सदस्य मंजू शर्मा का त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है. सरकार की अनुशंसा पर राज्यपाल ने सोमवार को इस्तीफा मंजूर किया. हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट ने ~~भ्रष्ट~~ के काम करने के तरीकों पर सवाल खड़े किए थे.

इसके बाद ही 1 सितंबर को कुमार विश्वास की पत्नी मंजू शर्मा ने आरपीएससी की सदस्य पद से इस्तीफे की पेशकश की थी. अब यह इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है. आरपीएससी सदस्य डॉ. मंजू शर्मा ने अपना इस्तीफा राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को भेजा गया था, जिसे अब मंजूर कर लिया गया है.

इस्तीफे का कारण बताया था प्रतिष्ठा - डॉ. मंजू शर्मा ने 1 सितंबर 2025 को अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा था. मंजू शर्मा ने अपना इस्तीफा देने का कारण भर्ती प्रक्रिया से जुड़े विवादों को बताया, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और आयोग की गरिमा प्रभावित होना बताया था.

बता दें कि आरपीएससी की सदस्य और कुमार विश्वास की पत्नी डॉ. मंजू शर्मा का नाम एसआई भर्ती 2021 में हुई धांधलियों में भी सामने आया था. कुमार विश्वास की पत्नी को पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में आरपीएससी का सदस्य बनाया गया था. डॉ. मंजू शर्मा ने स्पष्ट किया कि उनके खिलाफ किसी भी जांच एजेंसी में कोई मामला लंबित नहीं है और न ही उन्हें किसी प्रकरण में अभियुक्त माना गया है. सार्वजनिक जीवन में निष्पक्षता, पारदर्शिता और आयोग की गरिमा उनके लिए सर्वोपरि है. मंजू शर्मा के इस्तीफ से 10 सदस्यीय आयोग में सदस्यों के रिक्त पदों की संख्या बढ़ कर पांच हो गए हैं. पेपर लीक प्रकरण में फंसे और बाबूलाल कटारा निलंबित है और उसे बर्खास्त किए जाने का प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है.

पाक से मैच हो सकता है तो श्रद्धालु करतारपुर साहिब क्यों नहीं जा सकते, सीएम मान का केंद्र पर निशाना

पंजाब। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सवाल उठाया है पाकिस्तान से क्रिकेट मैच हो सकता है लेकिन श्रद्धालु करतारपुर साहिब मत्था टेकने क्यों नहीं जा सकते? उन्होंने निशाना साधा कि पंजाबियों की आस्था और गुरुओं से जुड़ी श्रद्धा को केंद्र सरकार जानबूझकर सियासी नजर से देख रही है. भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच को हरी झंडी दी जाती है, मगर वही सरकार श्रीकरतारपुर साहिब कॉरिडोर और श्रीननकाना साहिब के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की राह रोक देती है. ये दोहरा रवैया अब पंजाबियों को चुभने लगा है.

सीएम मान ने कहा कि कभी फिल्मों को इसलिए रोका जाता है कि उसमें पाकिस्तानी कलाकार हैं, और उसे राष्ट्रविरोधी करार दे दिया जाता है. वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के साथ मैच होता है, और उसे राष्ट्रभक्ति का उत्सव बताया जाता है. जो फिल्म पहले शूट हो चुकी थी उसे रिलीज नहीं होने दिया गया, मगर मैच तो लाइव हो रहा था. उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पैसा

कमाने की चिंता श्रद्धा से बड़ी हो गई?

भगवंत मान का पीएम मोदी पर भी निशाना भगवंत मान ने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, फिर क्रिकेट का मैदान क्यों खुला? और श्रद्धालुओं के लिए दरवाजे क्यों बंद कर दिए गए? श्रद्धा के दर पर कोई व्यापार नहीं होता, न ही राजनीति, वहां सिर्फ भक्ति होती है, सेवा होती है. केंद्र सरकार का ये रवैया पंजाब के लिए अपमानजनक है. श्री करतारपुर साहिब और श्री ननकाना साहिब हमारे तीर्थ हैं, कोई राजनीतिक केंद्र नहीं. हर रोज़ अरदास में हम यही मांगते हैं कि वहां सेवा करने और मत्था टेकने का अवसर मिले और वही रास्ता बंद कर दिया गया.

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार के इस फैसले पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने साफ कहा कि यह भावना का सवाल है और सरकारें भावना से नहीं लड़ सकतीं. जब पंजाब बाढ़ से जूझ रहा था, तब केंद्र सरकार ने सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंस की. खुद मैदान में उतरकर राहत कार्यों को अंजाम दिया. 2300 गांवों में सफाई और मेडिकल टीम भेजी गई. बाढ़ उतरने के बाद हर गली में मान सरकार की मौजूदगी ने दिखा दिया कि कौन वाकई जनता के साथ खड़ा है.

श्री ननकाना साहिब के दर्शन पर पाबंदी क्यों? अफगानिस्तान में संकट आते ही मदद भेजी जाती है, लेकिन पंजाब को राहत के नाम पर सिर्फ आश्वासन. ?1600 करोड़ की घोषणा की गई, मगर आज तक ?1 भी पंजाब को नहीं मिला. मुख्यमंत्री ने साफ कहा, यह दुश्मनी किस बात की है? क्या इसलिए कि पंजाब सरकार आपके इशारे पर नहीं चलती? सुनील जाखड़ और रवनीत बिट्टू समेत अन्य बीजेपी नेताओं से मुख्यमंत्री ने कहा है कि अगर उनमें हिम्मत है, तो प्रधानमंत्री से पूछें कि करतारपुर साहिब कॉरिडोर और श्री ननकाना साहिब के दर्शन पर पाबंदी क्यों? क्रिकेट खेला जा सकता है, लेकिन श्रद्धालुओं को गुरु के दर पर मत्था टेकने की इजाजत नहीं?

1050 एकड़ जमीन 1 रुपए सालाना पर गौतम अडानी को सौंप दी,पीएम मोदी के बिहार दौरे पर कांग्रेस हमलावर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों ने हमला बोला है. कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस का इस दौरे पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि बिहार में वोट चोरी का बंदोबस्त तो बैठाया जा रहा है, लेकिन अगर वोट चोरी से काम ना चले तो जाते-जाते गौतम अडानी को सारी चीजें सौंप रहे हैं.

पवन खेड़ा ने कहा बिहार में भागलपुर के पीरपैंती में 10 लाख पेड़, 1,050 एकड़ जमीन 'राष्ट्र सेठ' गौतम अडानी को पावर प्लांट लगाने के लिए 1 रुपए प्रतिवर्ष पर 33 साल के लिए दे दी गई. जब आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार जा रहे हैं, तब वहां के ग्रामीणों को नजरबंद कर दिया गया, ताकि वह धरना न दे सकें.

उन्होंने आगे कहा कि कि प्रधानमंत्री मोदी अपने दोस्त के लिये क्या-क्या लुटा रहे है. बिहार के भागलपुर में 10 लाख पेड, 1050 एकड़ जमीन को 1 रुपये सालाना के

हिसाब से 33 साल के लिये गौतम अडानी को सौंप दी गई है. बिहार में पावर प्रोजेक्ट भी अडानी को सौंप दिया.

जमीन कोयला लेने के बाद भी बिहार के लोगों को लूटा जा रहा कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि बिहार में वोट चोरी का बंदोबस्त तो बैठाया जा रहा है. लेकिन अगर वोट चोरी से काम ना चले तो जाते-जाते गौतम अडानी को सारी चीजें सौंप रहे है. सारी खुदाई एक तरफ और गौतम भाई एक तरफ. ये हो रहा है बिहार में. पेंसिल से, ज़बरदस्ती से साइन करवाये. फिर उसके बाद पेन से चीजें बदल दी गयी. बिहार के लोगों को 6.75 रुपये में बिजली दी जा रही है. जमीन उनकी, कोयला उनका. उसके बावजूद बिहार के लोगों को लूटा जा रहा है.

लोगों से जबरदस्ती छीनी जा रही जमीन- खेड़ा पवन खेड़ा ने कहा कि BJP पहले 'एक पेड़, मां के नाम' जैसा अभियान चलाती है फिर उसी जमीन को- जिसे किसान मां के समान मानता है. उसकी कीमत 1 रुपए लगाती है. किसानों को धमकाकर, जबरदस्ती पेंसिल से दस्तखत कराए गए और उनकी जमीन ली गई. फिर इसी प्लांट से निकली बिजली बिहार के लोगों को 6.75 रुपए/यूनिट के दर से बेची जाएगी, जबकि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के लिए ये दर 3 से 4 रुपए है. उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी अपने दोस्त के लिए बिहार को कुछ इसी तरह से लूट रहे हैं और यही सब करके बिहार को 'बीमारू राज्य' बना दिया गया. बिहार से सरकार जमीन छीन रही है, कोयला ले रही है, पेड़ काट रही है और उन्हीं लोगों को 6.75 रुपए में बिजली बेच रही है. आखिर ये कहां का न्याय है?

चुनाव से पहले अडानी को दे देते हैं सब- खेड़ा महाराष्ट्र में जब चुनाव हुए तो उससे पहले पावर प्लांट का प्रोजेक्ट और धारावी गौतम अडानी को दे दिया. इसी तरह, झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी चुनाव से पहले गौतम अडानी को प्रोजेक्ट दिए गए. ये बहुत लंबी लिस्ट है और जब BJP को लगता है कि हम चुनाव हार जाएंगे तो उससे पहले गौतम अडानी को सौगात दे जाती है.

'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान महत्वपूर्ण अवसर, स्वास्थ्य कार्यकर्ता पूर्ण समर्पण से अभियान को बनायें सफलः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संगठनों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से सक्रिय सहभागिता की अपील की, नागरिकों से सेवा लाभ का किया आह्वान

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 सितम्बर को मध्यप्रदेश से करेंगे। अभियान में महिलाओं का सम्पूर्ण स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 20 हज़ार से अधिक स्वास्थ्य शिविर लगाये जाएँगे। इन शिविरों में निःशुल्क जाँच और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जायेंगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान मध्यप्रदेश के लिए महत्वपूर्ण अवसर है और एक चुनौती भी है। मध्यप्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में विगत वर्षों में सकारात्मक सुधार हुआ है। अभी भी हमें लंबी दूरी तय करनी है। इसके लिए आवश्यक है कि हर ज़िला, हर विकास खंड, प्रत्येक स्वास्थ्य कार्यकर्ता पूरे मनोयोग से संकल्प लेकर प्रयास करे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी सहभागिता सुनिश्चित की जाये, ताकि अभियान का लाभ अधिक से अधिक नागरिक उठा सकें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निवास कार्यालय भोपाल से वीसी के माध्यम से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की तैयारियों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान की सफलता के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सभी संचार माध्यमों का प्रभावी उपयोग

किया जाए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा एवं एएनएम घर-घर जाकर परिवारों को अभियान के उद्देश्य से अवगत कराएँ। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संगठनों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की सक्रिय सहभागिता इस अभियान की सफलता की कुंजी है, उन्हें अभियान में सहभागी बनाया जाए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर निर्धारित पोर्टल्स और ऐप्स पर समयबद्ध रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। हम सबका समन्वित और समर्पित प्रयास इस जनकल्याणकारी अभियान को सफल बनाएगा। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना सहित मेडिकल कॉलेज के डीन, समस्त जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन वीसी के माध्यम से और विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री यादव ने बताया कि स्वस्थ नारीङ्कसशक्त परिवार अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी चुनौतियों की पहचान कर उनका त्वरित समाधान करना है। इसके अंतर्गत मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, अनमोल 2.0 में प्रविष्टि, टीकाकरण स्तर की समीक्षा और छूटे हुए टीकाकरण को पूरा किया जाएगा।

किशोरियों में एनीमिया स्क्रीनिंग, उपचार और आहार संबंधी परामर्श पर विशेष बल दिया जाएगा। साथ ही किशोरियों और महिलाओं को पोषण एवं मासिक धर्म स्वच्छता संबंधी जानकारी दी जाएगी।

एमडी एनएचएम डॉ. सिडाना ने बताया कि अभियान अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 ज़िले, 5 विकासखंड, 15 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 10 अशासकीय संगठनों को सम्मानित किया जाएगा। अभियान में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुखङ्कस्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, एनीमिया और सिकल सेल रोग जैसी गैर-संचारी बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही क्षय रोग और कुष्ठ रोग जैसे संचारी रोगों की स्क्रीनिंग व इलाज की भी व्यवस्था होगी।

मानसिक स्वास्थ्य, मोतियाबिंद, कांचबिंद, दंत रोग और श्रवण विकारों की जांच भी इस पहल का हिस्सा है। अभियान में रोग निदान शिविर और रक्तदान शिविर जिला अस्पतालों एवं रक्त केन्द्रों में आयोजित होंगे। सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में विशेषज्ञता शिविर और जागरूकता कार्यक्रम होंगे।

सिंहस्थ : 2028 के विकास कार्यों के लिए सभी का मिल रहा है समर्थनः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ - 2028 के विकास कार्यों के लिए हमें सभी का समर्थन मिल रहा है। विकास के क्रम को बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सबके हितों का ध्यान रखते हुए और सभी से संवाद करते हुए राज्य सरकार लैंड पूलिंग सहित सभी प्रकार के विकास कार्यों के मार्ग पर अग्रसर हो रही है। प्रयागराज महाकुंभ के ऐतिहासिक आयोजन में करोड़ों लोगों के आगमन, व्यवस्था और उनके सुरक्षा प्रबंधन के दृष्टिगत केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने स्थायी संरचनाओं के विकास पर बल दिया, इससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिला।

उज्जैन में सिंहस्थ-2028 के लिए स्थायी निर्माण के संबंध में किसानों से संवाद जारी है, हम किसी को नाराज नहीं करना चाहते, राज्य सरकार सभी को साथ लेकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। विकास का क्रम निरंतर जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह विचार कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मीडिया से चर्चा में व्यक्त किए।

सिंहस्थ का आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का विषयः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इतिहास में अब तक के सबसे बड़े सिंहस्थ मेले का आयोजन उज्जैन में वर्ष-2028 में होने जा रहा है। वर्तमान में उज्जैन की अर्थव्यवस्था में महाकाल लोक बनने से भारी वृद्धि हुई है। सिंहस्थ के आयोजन से उज्जैन का आध्यात्मिक नगरी के रूप में विकास होने से पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा। उज्जैन सिंहस्थ में 30 करोड़ श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की आशा है। सिंहस्थ आयोजन का गौरवशाली इतिहास रहा है, राज्य शासन वर्ष 2028 के सिंहस्थ का आयोजन आस्था, गरिमा और भव्यता के साथ करने के लिये कृत संकल्पित है। यह आयोजन उज्जैन सहित समूचे प्रदेश के लिये अत्यंत गौरव का विषय है।

सिंहस्थ आयोजन में, स्थानीय किसान बंधुओं का सदैव मिला सहयोगः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह सुनिश्चित करना राज्य शासन का कर्तव्य है कि हज़ारों साधु-संतों और करोड़ों श्रद्धालुओं को सिंहस्थ के दौरान उच्च स्तरीय सुविधाएं मिलें और उन्हें कोई परेशानी न हो। पिछले अनुभवों के आधार पर इस प्रकार की अधोसंरचना बनानी आवश्यक है, जिससे वर्षा-आंधी की स्थिति में भी मेले में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो।

भव्य और विशाल आयोजन में सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करते हुए संपूर्ण व्यवस्था बनाए रखना शासन का दायित्व है। इस वृहद आयोजन के लिये हज़ारों एकड़ भूमि की आवश्यकता होती है। सिंहस्थ के आयोजन में, स्थानीय किसान बंधु शासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करते आये हैं।

सिंहस्थ-2016 के दौरान लगभग 650 करोड़ रूपए की लागत से 3000 हेक्टेयर भूमि पर अस्थाई अधोसंरचना निर्माण कार्य किए गए थे, जिन्हें आयोजन उपरांत हटा दिया गया था।

सिंहस्थ -2028 के लिए उज्जैन को ग्लोबल स्पिरिचुअल सिटी के रूप में विकसित करने की संकल्पना की गई है। जिसके तहत किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुये सबकी सहमति के आधार पर अस्थायी के स्थान पर स्थायी अधोसंरचना का विकास किया जायेगा।

ऊर्जा, दक्षता और प्रतिबद्धता का संगमः मुख्यमंत्री मोहन यादव के कर्तव्य पथ पर आईएएस नीरज मंडलोई

मुख्यमंत्री कार्यालय में कर्तव्य पथ पर अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

लंबे समय से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की गुड बुक में रहे नीरज मंडलोई ने मुख्यमंत्री कार्यालय में आते ही सबको चौंकाया , उन्होंने पदभार तो ग्रहण किया लेकिन बैठने से परहेज किया । जब उनसे पहली बार मुलाकात उनके कक्ष में हुई तब कार्यालय का बदला - बदला नजारा देखने में आया। पहली नजर में बात समझ में आ गई कि उन्होंने वास्तु दोष दूर करने के लिए वास्तु विशेषज्ञों की सलाह और सुझाव पर कक्ष में आवश्यक बदलाव कराए हैं क्योंकि उनके पहले इसी कक्ष में कार्यालय का सेटअप कुछ और ही था । कक्ष में कुर्सी की दिशा प्रकाश व्यवस्था और प्रवेश द्वार की स्थिति आदि को वास्तु के अनुरूप कराया गया। जब किसी ने उनसे पूछा कि यह सब क्यों ... ? तो उनका उत्तर सीधा था काम में प्रवाह चाहिए, रुकावट नहीं। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के साथ हुई पहली बैठक में ही उन्होंने दो टूक कह दिया था कि आम जनता और जनप्रतिनिधियों के भरोसे को मजबूत करने की दिशा में काम होना चाहिए । उनकी टीम के सदस्यों की एकमात्र कोशिश यही होनी चाहिए कि मुख्यमंत्री सचिवालय की साख जनअपेक्षाओं के अनुरूप बढ़नी चाहिए । सरकार के प्रति भरोसा और विश्वास मील का पत्थर बनें, इस दिशा में काम होना चाहिए द्य उनके काम करने के अपने अलग पैरामीटर हैं । वह काम में हीला - हवाली, लापरवाही और किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं करते । उनका नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है कि सरकार के फैसलों का असर जनता में सकारात्मक होना चाहिए । उनकी कार्यशैली से ऐसा लगता है कि उनकी नज़र में मुख्यमंत्री कार्यालय फाइलों का अड्डा नहीं बल्कि भरोसे की चौकी है । जो विधिसंगत है, होने लायक है, जो हो सकता है, वो हो सकता है और जो नहीं हो सकता, वो नहीं हो सकता । उनके शब्दकोश में अटकाना ,लटकाना जैसे शब्द हैं ही नहीं । सामान्यतः ऐसा माना जाता है कि आईएएस अफसरों को पद प्रतिष्ठा मिलने के बाद, उनमें अफसर शाही हावी हो जाती है लेकिन इनसे इतर कुछ अफसर, पद और प्रतिष्ठा मिलने के बाद भी निरंतर दिन-रात जनता की सेवा करते रहते हैं।

तेजेंद्र भार्गव भोपाल

जिनकी स्वयं की अपनी एक अलग छवि होती है ,जिन पर लोगों का अटूट विश्वास होता है । ऐसे ही एक अफसर हैं नीरज मंडलोई और हो भी क्यों ना, उन्हें प्रशासनिक अनुभव जो विरासत में मिला है । उनका स्वभाव बेहद नरम और जनता की सेवा करने वाला है । बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि तीन पीढ़ियों से उनका परिवार मंत्रालय में बैठकर आम जनता की सेवा कर रहा है । मूलतः खंडवा के रहने वाले आईएएस अफसर नीरज मंडलोई के पिता स्वर्गीय विनोद कुमार मंडलोई 1974 बैच के आईएएस अफसर रहे हैं और स्वर्गीय विनोद कुमार मंडलोई के पिता यानि नीरज मंडलोई के दादाजी भगवंत राव कुमार मंडलोई दो बार अविभाजित मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं । वे वल्लभ भवन, मंत्रालय में पदस्थ ऐसे अफसर हैं जो तीन पीढियां से निरंतर जनता की सेवा कर रहे हैं । यह सेवा परंपरा अब उनके हाथों में है और वह उसे नए सिरे से गढ़ रहे हैं । विरासत में मिला प्रशासनिक अनुभव उनकी कार्य शैली में भी झलकता है। मुख्यमंत्री कार्यालय में उनके आते ही काफी कुछ बदलाव भी नजर आ रहे हैं। वे मुख्यमंत्री कार्यालय में आने वाली प्रदेश की जनता और प्रदेश के जनप्रतिनिधियों से बड़ी सहजता से मिलते हैं और उन्हें आश्वासन देते हैं कि उनका काम जरूर होगा । साथ ही साथ उनकी टीम भी इसी जज्बे के साथ काम कर रही है । जनप्रतिनिधि हों, अफसर हों या फिर आमजन उनका सबके साथ कार्य व्यवहार सम्मानजनक है , उनसे मिलने वाले एक सुर में यही कहते हैं कि साहब डाऊन टू अर्थ हैं,बात साफ और भरोसा पक्का है, उनसे मिलना बहुत आसान है और जहां तक कार्य प्रणाली में बदलाव की बात की जाए तो निसंदेह नीरज मंडलोई के मुख्यमंत्री कार्यालय में आने के बाद से यहां के अफसरों का काम करने का ढंग भी कुछ बदला-बदला सा नजर आ रहा है । अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई अपनी कार्यशैली से यही संदेश दे रहे हैं कि अधिकार पद से नहीं, दृष्टि से पहचाना जाता है और दृष्टि वही टिकाऊ है जिसमें जनता के लिए सेवा और व्यवस्था में पारदर्शिता हो।

रेप-लव जिहाद के आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर

» भोपाल में आरोपी फरहान के पिता बोले- पुलिस ने 10 लाख मांगे थे, हम नहीं दे पाए

भोपाल। भोपाल में कॉलेज छात्राओं से रेप और लव जिहाद के आरोपी साद और साहिल के अवैध मकानों पर जिला प्रशासन का बुलडोजर चला। जबकि मुख्य आरोपी फरहान के घर पर कार्रवाई पर जिला न्यायालय ने रोक लगा दी है। जिला न्यायालय ने फरहान के पिता रिजवान खान के मकान को तोड़े जाने पर स्थगन आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि आगामी आदेश तक मकान पर किसी तरह की कार्रवाई न की जाए। फरहान, साद, साहिल, नबील, अली और अबरार पर निजी कॉलेज की छात्राओं के साथ रेप और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के आरोप हैं। ये मामला कोर्ट में है।

कार्रवाई से पहले शुक्रवार को मकानों के आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई थी। शनिवार सुबह 5 बजे अर्जुन नगर में भारी पुलिस बल के साथ प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। गोविंदपुरा एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव ने नियमानुसार कार्रवाई की बात कही। पुलिस की मौजूदगी में सरकारी जमीन पर बने अवैध कब्जे को हटाया गया। एसडीएम रवीश श्रीवास्तव ने कहा- यह शिकायत प्राप्त हुई थी कि शासकीय चरोखर की भूमि पर अर्जुन नगर में कब्जा किया गया है। यह सही पाया गया। तहसीलदार ने नोटिस जारी किए थे। 19 अगस्त को इनको हटाने के आदेश थे। जब 4 सितंबर तक भी कब्जा नहीं हटाया गया तो कार्रवाई की गई।

इधर, आरोपी फरहान के पिता रिजवान ने आरोप लगाया कि पुलिस ने हमसे 10 लाख रुपए की डिमांड की थी। करीब 15 दिन तक इस मामले को दबाए रखा। हम 2 लाख रुपए ही दे पाए, 8 लाख रुपए की व्यवस्था नहीं हुई। इस पर मिसरोद थाने के रंजीत सिंह ने मेरे बच्चे पर लव जिहाद का केस दर्ज कर दिया। अदालत का फैसला नहीं आया है, उससे पहले ही मकान गिराए जा रहे हैं।

ओबीसी आरक्षण पर भोपाल में अधिवक्ताओं की बैठक

13% पदों को होल्ड किए जाने का मुद्दा उठा

भोपाल। ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने को लेकर भोपाल में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह की मौजूदगी में बुलाई गई बैठक में 13 प्रतिशत पदों को होल्ड किए जाने का मामला सबसे अधिक उठा। इस मामले में महाधिवक्ता ओबीसी महासभा और 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग कर रहे याचिकाकर्ताओं के वकीलों को संतुष्ट नहीं कर सके। वहीं देर शाम ओबीसी वर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने भी ओबीसी वर्ग के समस्त हितों को ध्यान में रखने का भरोसा दिलाया। राजधानी की एक होटल में ओबीसी आरक्षण को लेकर बुलाई गई

बैठक में महाधिवक्ता ने कहा कि दूसरे पक्ष के लोग कोर्ट चले जाएंगे और पूरा मामला फिर लटक जाएगा। हालांकि पूरी बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा साफ है। सरकार 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए तैयार है।

बैठक में सुप्रीम कोर्ट के वकील वरुण ठाकुर, रामेश्वर ठाकुर समेत ओबीसी वर्ग के अन्य अधिवक्ताओं, ओबीसी महासभा और ओबीसी वर्ग को आरक्षण दिलाने की लड़ाई लड़ रहे संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के बाद सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने कहा कि सरकार यह कह रही है कि हम 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन पीएससी की परीक्षा के जरिए होने वाली भर्ती में वर्ष 2019 से जो 13 प्रतिशत पद होल्ड किए जा रहे हैं, उन पदों को अनहोल्ड नहीं किया जा रहा है जबकि सुप्रीम कोर्ट भी साफ कर चुका है कि आपको हमारे पास आने की जरूरत नहीं है। ठाकुर ने कहा कि कल ही पीएससी के रिजल्ट आए हैं, उसमें भी 13 प्रतिशत पद होल्ड रखे गए हैं जबकि सरकार 23 सितम्बर से सुप्रीम कोर्ट में इसको लेकर लगातार होने वाली सुनवाई में सभी वर्गों को साथ लेने के लिए बैठक बुला रही है। इसको लेकर सीएम निवास और दिल्ली में दो दौर की बैठक हो चुकी है और आज यह तीसरी बैठक थी जिसमें कोई सार्थक जवाब नहीं आया है। बैठक के बाद सभी पक्षों के सहमति और नतीजे को लेकर मीडिया ने प्रदेश सरकार के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह से बात करने की कोशिश की लेकिन वे जवाब देना टाल गए।

रेप के केस में एडवोकेट गिरफ्तार कोर्ट से लेटर मिलने के बाद कार्रवाई

भोपाल। भोपाल की अशोका गार्डन पुलिस ने रेप के आरोप में वकील यावर खान को गिरफ्तार किया है। शनिवार रात उसे हिरासत में लिया गया था। टीआई अनुराग लाल ने बताया कि आरोपी यावर को मेडिकल के लिए भेजा गया है। जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। बीते 24 अगस्त को पॉक्सो कोर्ट में रेप और देह व्यापार के मामले में गवाही के दौरान पीड़िता ने भोपाल कोर्ट के अधिवक्ता यावर खान का नाम दुष्कर्म के आरोपियों के साथ लिया था। पीड़िता के कथन के आधार पर 11 सितंबर को कोर्ट ने केस में उचित कार्रवाई को लेकर अशोका गार्डन पुलिस को लेटर लिखा था। इसी लेटर के साथ पीड़िता के बयानों की कॉपी भी संलग्न की थी। लेटर पर संज्ञान लेते हुए अशोका गार्डन पुलिस ने शनिवार की देर रात वकील यावर खान को हिरासत में लिया। पीड़िता ने बयान में कहा था कि आरोपियों के वकील यावर खान ने भी ऑफिस और बिट्टन मार्केट स्थित मकान में बुलाकर उसके साथ कई बार ज्यादती की। पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि वह यह बात कोर्ट में पहली बार इसलिए बता रही है कि इससे पहले उसे वकील का नाम याद नहीं था। कोर्ट में बयान के दौरान किसी अन्य वकील ने जब आरोपी के वकील का नाम लिया, तब उसे यावर खान का नाम याद आया। कोर्ट ने पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए हैं। मामला 9 दिसंबर 2023 का है।

भक्ति में शक्ति है -शास्त्र और शस्त्र शिक्षा आवश्यक है

भोपाल। दुर्गा गायत्री चेतना केंद्र मंदिर में आज सप्तम दिवस की कथा कृष्ण -सुदामा चरित्र पर विराम हुई। आज की कथा में श्री रवीन्द्र यति भाजपा भोपाल जिला अध्यक्ष पधारे और महाराज श्री मुकेश महाराज जी से आशीर्वाद लिया। मंच का संचालन पी डी तिवारी जी ने सफलतापूर्वक करते हुए श्री रविंद्र यति से मंदिर प्रांगण निर्माण में सहयोग करने का आग्रह किया। समिति अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव ने मुख्य यजमान श्री सुदेश मालवीय के साथ मिलकर सभी अतिथियों का व्यास पीठ से सम्मानित कराया। कृष्ण -सुदामा चरित्र को बाल कलाकार श्री रोहन एवं प्रथम मालवीय ने निभाया। भक्ति और भावपूर्ण अभिव्यक्ति का आयोजन आज विशाल भंडारा के साथ समापन हुआ। सभी कोलार वासियों ने मनपूर्वक कथा श्रवण की। ज्ञात हो इस कथा कराने का उद्देश्य पितरों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए युवा सनातन संस्कृति को पहचाने एवं हिन्दू धर्म व मूल्यों को स्थापित करने में सक्षम हो।

समापन समारोह फूलों की होली राधारानी के संग खेली।

सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती: सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर का कहना है कि उनके लिए सिनेमा सिर्फ भाषा की बात नहीं, बल्कि अच्छी कहानियों और प्रेरणादायक सहयोग का माध्यम है। सई मांजरेकर, जिन्होंने पहले ही बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है, अपनी प्राथमिकताओं को लेकर साफ हैं। उनके लिए सिनेमा सिर्फ भाषा की बात नहीं, बल्कि अच्छी कहानियों और प्रेरणादायक सहयोग का माध्यम है। सई ने कहा कि मेरा मानना है कि सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती। असल मायने रखती है कहानी और उसका दर्शकों से जुड़ाव। अभी मैं बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री पर ध्यान दे रही हूं, लेकिन आगे चलकर मैं एक अच्छी मराठी फिल्म जरूर करना चाहूंगी। जब तक स्क्रिप्ट रोमांचक हो और डायरेक्टर का विजन मजबूत हो, मैं किसी भी इंडस्ट्री को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हूं। सई मांजरेकर ने बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री की तुलना करते हुए कहा कि दोनों जगह काम करने का मौका मिलने के बाद मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री की अपनी अलग पहचान और जादू है।

बॉलीवुड में कहानियों को बड़े भावनात्मक अंदाज में दिखाया जाता है, जबकि साउथ में मैंने अनुशासन और कला के प्रति गहरा सम्मान देखा, जो मुझे बेहद पसंद आया। दोनों अनुभवों ने मुझे अलग-अलग तरह से गढ़ा है और मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं कि दोनों का हिस्सा हूं। मेरे लिए यह सफर दोनों की अच्छाइयों को अपनाने और हर प्रोजेक्ट के साथ आगे बढ़ने का है।सई मांजरेकर की सोच पर घर का भी असर रहा है। उनके पिता, मशहूर फिल्ममेकर और अभिनेता महेश मांजरेकर, आठ अलग-अलग भाषाओं में काम कर चुके हैं और उन्होंने सई को दिखाया कि अच्छी कहानियां सीमाओं को पार कर सकती हैं। उसी से प्रेरित होकर सई भी अपना एक ऐसा बहुभाषी सफर तय करना चाहती हैं, जिसमें मुख्यधारा का आकर्षण भी हो और दिल को छूने वाली कहानियां भी।

'जो अजब है, वो गजब है' के साथ लौटा इंडियाज गॉट टैलेंट, सिद्धू ने किया लॉन्च

पॉपुलर रियलिटी शो इंडियाज गॉट टैलेंट अपने नए सीजन के साथ लौट रहा है। इंडियाज गॉट टैलेंट के पिछले सीजन में किरण खेर, बादशाह और शिल्पा शेट्टी शो को जज करते नजर आए थे। इस सीजन को नवजोत सिंह सिद्धू, नेहा कक्कड़ और अनुराग कश्यप जज करने वाले हैं।

वहीं अब इंडियाज गॉट टैलेंट के इस सीजन की टैगलाइन भी सामने आ गई है। शो की टैगलाइन है, जो अजब है, वो गज़ब है। नवजोत सिंह सिद्धू प्रोमो में दमदार लाइन दुनिया में सबसे बड़ा रोग, मेरे बारे में क्या कहेंगे लोग, उन लोगों की परेशानियों को दिखाती है जिन्हें समाज की सोच रोकती है। ये लाइन टैलेंट्स को प्रेरित करती है कि वो ऐसे बंधनों से ऊपर उठकर बिना किसी डर अपने सपनों का पीछा करें। इंडियाज़ गॉट टैलेंट के पहले प्रोमो में आने वाले सफर की बस एक झलक दिखाई गई है, जिसमें टैगलाइन जो अजब है, वो गजब है इस सीज़न की असली रूह को बखूबी पेश करती है। शो के बारे में बात करते हुए नवजोत सिंह सिद्धू कहते हैं, मैं उन टैलेंट्स को देखने के लिए उत्साहित हूँ जो अनोखे, क्रिएटिव हैं और इतनी हिम्मत रखते हैं कि आम सोच को चैलेंज कर सकें। ये कमाल के टैलेंट्स न सिर्फ पूरे देश को हैरान करने वाले हैं बल्कि अनगिनत लोगों को अपने सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित भी करने वाले हैं!

इंडियाज़ गॉट टैलेंट का प्रीमियर 4 अक्टूबर 2025 से, हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनी लिव पर होगा। यह भारत का ऐसा इकलौता शो है जो हर उम्र और हर क्षेत्र के टैलेंट को मंच देता है।

2025 की छोटे बजट की वो फिल्में जिन्होंने धुरंधरों को चटा दी धूल

2025 की छोटे बजट की वो फिल्में जिन्होंने धुरंधरों को चटा दी धूल, एक ने तो 1500 परसेंट प्रॉफिट दिया तो दूसरी तो तबाही बन गई

बड़े पर्दे पर जब भी किसी बड़े स्टार की फिल्म आती है तो फैंस खूब एक्साइटेड नजर आते हैं. खान हो या कपूर्स, सभी की फिल्मों को फैंस बहुत पसंद करते हैं. लेकिन साल 2025 में छोटे बजट की फिल्मों ने फैंस को ज्यादा अप्रोच किया और एंटरटेन भी. ऐसी फिल्में आईं जिनकी कहानी हीरो थी और फैंस के दिलों में कभी न मिटने वाली छाप छोड़ गई. आइए जानते हैं उन फिल्मों के बारे में.

सैयारा

फिल्म सैयारा की बात करें तो इससे अहान पांडे और अनीत पड्डा ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था. फिल्म को लेकर कोई प्रमोशन नहीं हुआ था. लेकिन जब फिल्म रिलीज हुई तो एक से बढ़कर एक रिकॉर्ड तोड़ दिए. कोईमोई की खबर के मुताबिक, फिल्म ने 398.47 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. ये हाइएस्ट ग्रॉसिंग रोमांटिक फिल्म बन गई थी.

फिल्म 45 करोड़ के बजट में बनी थी. इस फिल्म ने 650 परसेंट का प्रॉफिट किया.

लोकाह

कल्याणी प्रियदर्शन की फिल्म लोकाह चैप्टर 1 को भी बहुत पसंद किया जा रहा है. फिल्म थिएटर में लगी है और जबरदस्त कमाई कर रही है. फिल्म सुपर डुपर हिट हो चुकी है और रुकने का नाम नहीं ले रही है. फिल्म का बजट 30 करोड़ रुपये है और फिल्म ने सिर्फ 18 दिनों में 118.01 करोड़ का कलेक्शन कर लिया. कोईमोई की खबर के मुताबिक, अभी तक फिल्म ने 250 परसेंट से ज्यादा प्रॉफिट निकाल लिया है.

टुरिस्ट फैमिली

फिल्म टुरिस्ट फैमिली को भी फैंस बहुत ज्यादा पसंद किया. एसएस राजामौली भी खुद को फिल्म की तारीफ करने से रोक नहीं पाए थे. फिल्म सिर्फ 7 करोड़ के बजट में बनी थी और फिल्म ने 90 करोड़ का कलेक्शन किया था. टुरिस्ट फैमिली ने 1200 परसेंट से ज्यादा का प्रॉफिट किया था.

महावतार नरसिम्हा

महावतार नरसिम्हा एनिमेशन फिल्म है. फिल्म 25 जुलाई को रिलीज हुई थी. फिल्म को थिएटर में 50 से ज्यादा दिन हो गए हैं फिर भी फिल्म कमाई कर रही है. इस फिल्म ने सारे रिकॉर्ड ब्रेक कर दिए.

फिल्म ने 246.93 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म को 1500 परसेंट से ज्यादा का प्रॉफिट कर लिया है. फिल्म सिर्फ 15 करोड़ के बजट में बनी थी. फिल्म सुपर डुपर हिट हो गई है।

'राइज एंड फॉल' शो में धनश्री ने पवन सिंह को दे दी चुनौती

अमेजन एमएक्स प्लेयर पर इन दिनों 'राइज एंड फॉल' रिएलिटी शो चल रहा है. इस शो अशनीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं. इस शो में धनश्री वर्मा और पवन सिंह समेत कई सितारे बतौर कंटेस्टेंट्स नजर आ रहे हैं, जो जीत के लिए अपनी परफॉर्मेंस को बेहतर करने में लगे हैं. हाल ही में धनश्री वर्मा ने इस शो में सभी कंटेस्टेंट्स के सामने पवन सिंह को खुलेआम चुनौती दे दी.धनश्री वर्मा के इंस्टाग्राम आई पर एक वीडियो शेयर किया गया है. इसके कैप्शन में लिखा गया, पवन जी, तारीफ करोगे तो ये मतलब नहीं कि ये शेर शिकार करना भूल जाएगा. धनश्री ने ये कैप्शन कुछ भोजपुरी में लिखने की कोशिश की जो काफी मजेदार था. इस वीडियो में धनश्री पवन सिंह के लिए क्या कह रही हैं वो भी सुन लीजिए.

वीडियो में आप देख सकते हैं कि धनश्री कई कंटेस्टेंट्स के साथ बैठी हैं, जिनमें पवन सिंह भी शामिल हैं. पवन सिंह को देखकर धनश्री मारने का इशारा करती नजर आईं. फिर बोलीं, मैंने पवन जी से कल रात को बोला अब मैं आपसे ही झगड़ा करूंगी पूरे हफ्ता भर. ये सुनकर पवन सिंह ने कहा, तो शुरू कहां से करना है, गाली गलौच या सिर्फ बात करके? इसपर धनश्री ने जवाब दिया, गाली-गलौच मैं नहीं कर सकती. तो पवन सिंह ने कहा, तो बात में झगड़ा कैसे होगा, कैसे मजा आएगा?

इसपर धनश्री ने कहा, वो हाथ दिखाते हुए ऐसे-ऐसे करते हैं न वैसे करेंगे और क्या. पवन सिंह मुंह पर हाथ रखकर हंसे और फिर बोले, तो फिर नाम के आगे जी क्यों लगाने का, पवन पे आइए पहले. इसपर धनश्री ने कहा, नहीं रिस्पेक्ट तो देनी होगी न. झगड़ा तो मां-बाप से भी होता है, लेकिन रिस्पेक्ट थोड़ी भूली जाती है. ये सुनकर पवन सिंह दूसरे कंटेस्टेंट आदित्य नारायण की तरफ देखते हुए बोले, क्या लड़की के अंदर गुण है यार, संस्कार तो है इसमें।

बिग बॉस 19: तान्या मित्तल ने खोले जिंदगी के दर्दनाक राज

सलमान खान के रियलिटी शो %बिग बॉस 19% में हर दिन नए विवाद देखने को मिल रहे हैं। वहीं कंटेस्टेंट्स अपनी जिंदगी के कई राज भी खोल रहे हैं। शो के लेटेस्ट एपिसोड में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर तान्या मित्तल ने अपने दर्दनाक बचपन के बारे में बात की। दरअसल, टास्क के दौरान कंटेस्टेंट्स को एक-दूसरे पर निजी हमले करने का मौका दिया गया। इसी दौरान कुनिका ने तान्या पर निशाना साधते हुए कहा कि वह इस शो का हिस्सा बनने लायक नहीं हैं क्योंकि उन्होंने जीवन में असली संघर्ष नहीं देखा। कुनिका ने तान्या के संस्कार और मां की परवरिश पर सवाल उठाए। तान्या, कुनिका सदानंद के तीखे कमेंट्स से सबके सामने रोने लगती हैं। इसके बाद वह अपने बीते हुए संघर्षों के बारे में बताती है। तान्या ने दावा किया कि उनके पिता उन्हें मारते थे तो मां ही एक ऐसी थीं जो उन्हें बचाती थीं। इसकी वजह से वो आत्महत्या तक करने के बारे में सोचती थीं।

तान्या कहती हैं, मेरी मां को किसी बहस में घसीटना सही नहीं है। उन्होंने मेरे लिए काफी कुछ सहा है। मेरे पिता मुझे मारने के लिए दौड़ पड़ते थे और मेरी मां मुझे बचा लेती थीं। मेरे लिए घर से बाहर निकलना या साड़ी पहनने तक की अनुमति लेना भी बड़ी जद्दोजहद थी।

तान्या ने कहा, जब मैं 19 साल की थी तब मेरी जबरन शादी कराने की कोशिश हुई, उस वक्त मुझे जीने की उम्मीद ही खत्म लग रही थी। आज मैं जिस मुकाम पर हूं, वहां तक पहुंचना मेरे लिए आसान नहीं था। मुझे बिजनेस चलाने, साड़ी पहनने और जिंदगी में जो मैं करना चाहती हूं, वो करने की इजाजत पाना बहुत मुश्किल था।

बता दें, बिग बॉस ने घरवालों को एक टास्क दिया था जिसमें एक कंटेस्टेंट को चुप बैठकर केवल सुनना था। वहीं दूसरे को उसे पोक करना यानी कुछ ऐसा कहना था जिससे सामने वाले को गुस्सा आए। गेम में ट्विस्ट यही था कि कंटेस्टेंट को अपनी बुराई सुनकर भी चुप रहना था।

जॉब इंटरव्यू से पहले ये होमवर्क करना न भूलें

जब आप किसी जॉब इंटरव्यू के लिए जाते हैं, तो इसके लिए होमवर्क करना बेहद जरूरी है, क्योंकि एक अच्छा होमवर्क आपके भीतर कॉन्फिडेंस पैदा करता है और आप सफलता हासिल करते हैं।

फर्स्ट इम्प्रेशन

इंटरव्यू के लिए फर्स्ट इम्प्रेशन बहुत मायने रखता है। इसलिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जिसमें आप ज्यादा स्मार्ट दिखते हों। इससे लोगों का ध्यान आपकी ओर जाएगा। यह भी ध्यान रखें कि उस कपड़े में आप खुद को कंफर्ट महसूस करें। आपके कपड़े का कलर सौम्य और प्रभावशाली हो। इसके लिए आप काला, सफेद, ग्रे लाइट या डार्क शेड के अलावा भूरा, ब्लू और मटमैले कलर के कपड़ों का कॉम्बिनेशन पहन सकते हैं।

स्ट्रांग परफ्यूम न लगाएं

पुरुषों के लिए यह जरूरी है कि वे क्लीन शेव हों। किसी वजह से ऐसा नहीं कर सकते, तो दाढ़ी ट्रिम होनी चाहिए, बालों को स्टाइलिश रखें। वह महिलाओं के लिए जरूरी है कि वे लाइट मेकअप करें। बाल बंधे हों तो ज्यादा अच्छा है। एक बात का ध्यान दें कि लंबे नाखून पुरुष और महला दोनों के ही नहीं होने चाहिए। यदि परफ्यूम है तो वह स्ट्रांग नहीं होना चाहिए, आपके जूते अच्छी हालत में होने चाहिए, जूते आवाज न करें।

बाएं हाथ में रखें फाइल

मीटिंग या इंटरव्यू में हमेशा समय से पहले पहुंचें और फ्रंट ऑफिस को अपने आने का कारण बताएं। जब तक आपको अंदर न बुलाया जाए, शांति से अपनी जगह पर बैठे रहें। बुलाने पर तेजी से कदम बढ़ाते हुए जाएं, अपने बैग या फाइल को ठीक तरीके से हैंडल करें। इसे बांए हाथ में पकड़ना अच्छा होगा क्योंकि दाहिने से शेक हैंड्स करना होता है। अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखें।

हाथ मिलाना बाध्यता नहीं

यह जरूरी होता है कि आप सामने वाले से हाथ मिलाएं, लेकिन इसे बाध्यता नहीं समझना चाहिए, टेबल के ऊपर हाथ न रखें। अगर आप पुरुष हैं और महिला से मुलाकात हो रही है, तो आप खुद हाथ आगे न बढ़ाएं, इंतजार करें।

पॉजिटिव एहसास कराएं

इंटरव्यू समाप्त होने पर सामने वाले को धन्यवाद कहें और उसे इस बात का एहसास करवाएं कि आप पॉजिटिव रिस्पांस सुनने के लिए तैयार हैं। जाते वक्त यह ध्यान में रखें कि आपके अंदर आने के दौरान गेट खुला था या बंद, गेट जिस अवस्था में था, उसी अवस्था में करके ही बाहर निकलें।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई का मौका देती है ये स्कॉलरशिप

विदेश में पढ़ाई करना बेहद ही खर्चीला होता है, जिसकी वजह से हर कोई वहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। इसलिए स्कॉलरशिप ही एकमात्र वो जरिया होती हैं, जिनके जरिए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए भी विदेश में पढ़ने का रास्ता खुलता है।

दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटीज की जब भी बात होती है तो हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का जिक्र जरूर होता है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में मौजूद ये यूनिवर्सिटी अपने कोर्सेज के लिए दुनियाभर में फेमस है। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां पढ़ने के लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन सिर्फ चुनिंदा लोगों को ही दाखिला मिल पाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फीस भी बहुत ज्यादा है। अगर भारतीय रुपये में बात करें तो यहां की फीस लाखों में है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में औसतन फीस 83 हजार डॉलर (लगभग 68 लाख रुपये) है। यही वजह है कि यहां ज्यादातर वही लोग पढ़ पाते हैं, जिनके पास अच्छा खासा पैसा है। हालांकि, इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं है कि आम आदमी यहां पढ़ाई नहीं कर सकता है। हार्वर्ड उन्हें भी एक समान मौका देता है। यूनिवर्सिटी में कई सारी स्कॉलरशिप का भी ऑप्शन है, जो यहां पढ़ने के लिए दी जाती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों को कौन सी स्कॉलरशिप मिलती हैं।

बौस्टनी एमबीए हार्वर्ड स्कॉलरशिप

अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ने के लिए ये स्कॉलरशिप उन छात्रों को दी जाती है, जिनका पढ़ाई का बैकग्राउंड काफी ज्यादा मजबूत है। हार्वर्ड एमबीए प्रोग्राम में एडमिशन होने के बाद ही छात्र इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं। जिन छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, उन्हें इंटरव्यू देना होगा। इस स्कॉलरशिप के तहत छात्रों की 75 फीसदी ट्यूशन फीस कवर हो जाती है। इसके जरिए रहने और यात्रा का भी खर्च कवर होता है।

होरेस डब्ल्यू गोल्डस्मिथ फेलोशिप

इस स्कॉलरशिप के लिए छात्र का बैचलर डिग्री पूरा किया होना जरूरी है। उसके पास वर्क एक्सपीरियंस भी होना चाहिए। उम्मीदवार ने अगर किसी नॉन प्रॉफिट संस्था में फुल-टाइम लीडरशिप की भूमिका में काम किया होगा तो उसे स्कॉलरशिप के लिए एलिजिबिल माना जाएगा। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू होता है। हार्वर्ड में एमबीए की पढ़ाई कर रहे फर्स्ट ईयर के 7 से 10 छात्रों को 10 हजार डॉलर स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय ही उम्मीदवार की फाइल स्कॉलरशिप के लिए पहुंच जाती है। फिर उसकी क्वालिफिकेशन के आधार पर स्कॉलरशिप मिलती है।

रॉबर्ट एस. कपलान (एमबीए 1983) लाइफ साइंसेज फेलोशिप

हार्वर्ड में पढ़ने के लिए इस स्कॉलरशिप को उन्हीं उम्मीदवारों को दिया जाता है, जिन्होंने बैचलर डिग्री पूरी की है। उनके काम वर्क एक्सपीरियंस है और साथ ही साथ लाइफ साइंसेज क्षेत्र में बेहतरीन योग्यता है। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का इंटरव्यू लिया जाता है। एमबीए के लिए अप्लाई करते समय उम्मीदवार के नाम पर स्वतः ही स्कॉलरशिप के लिए विचार किया जाता है। ये स्कॉलरशिप 10 एमबीए स्टूडेंट्स को मिलती हैं। दो साल में 20 हजार डॉलर छात्र को स्कॉलरशिप के तौर पर मिलते हैं।

आगा खान स्कॉलरशिप

अगर किसी स्टूडेंटस की पढ़ाई का बेहतरीन इतिहास रहा है, तो वह इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकता है। ये स्कॉलरशिप विकासशील देशों के उन छात्रों को प्रदान की जाती है, जिन्हें वास्तव में पढ़ाई के लिए वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इस स्कॉलरशिप को पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिए दिया जाता है। अगर किसी छात्र के पास प्रोफेशनल एक्सपीरियंस है। साथ ही वह विविधि गतिविधियों में भाग लेता रहा है तो उसे स्कॉलरशिप के लिए योग्य माना जाएगा। ये स्कॉलरशिप मास्टर स्तर के कोर्सेज की पूरी अवधि के लिए प्रदान की जाती है और पीएचडी छात्रों को इसे केवल पहले दो वर्षों के लिए दिया जाता है। इसके लिए आगा खान फाउंडेशन की वेबसाइट पर अप्लाई करना होता है।

पसंदीदा जॉब पाने के लिए बनाएं दमदार रिज्यूमे, सिलेक्शन होगा पक्का

जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। आइए जानते हैं आप बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

अगर आप भी अपनी पसंदीदा जॉब पाना चाहते हैं, तो इसमें रिज्यूमे बहुत अहम भूमिका निभाती है। जितना आपका रिज्यूमे शानदार होगा, उतना ही आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। जॉब पाने से लेकर इंटरव्यू तक पहुंचने के सफर में रिज्यूमे आपकी काफी मदद करता है। जॉब और इंटरव्यू के लिए सभी को एक बेहतर और प्रोफेशनल रिज्यूमे की दरकार होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप एक बेहतरीन रिज्यूमे कैसे बना सकते हैं।

खुद से बनाएं रिज्यूमे

अधिकतर देखने को मिलता है कि ज्यादातर लोग रिज्यूमे बनवाने के लिए साइबर कैफे या ग्राफिक डिजाइनर के भरोसे रहते हैं। लेकिन बता दें कि आप स्मार्ट वर्क के तहत खुद भी घर बैठे अपना रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकते हैं। रिज्यूमे बनाने के लिए आपके पास स्मार्टफोन या लैपटॉप होना जरूरी है। इससे आप शानदार रिज्यूमे बनाकर तैयार कर सकती हैं। इससे आपका समय और पैसे दोनों बचेंगे।

कैसे बनाएं रिज्यूमे

बता दें कि अधिकतर लोग सोचते हैं कि अच्छा रिज्यूमे बनाने के लिए क्या टिप्स फॉलो करना चाहिए। लेकिन अब गूगल और इंटरनेट ने इस काम को बेहद आसान कर दिया है। अगर आप गूगल पर जाकर रिज्यूमे सर्च करते हैं, तो आपके सामने ऐसी तमाम वेबसाइट आ जाएंगी। जिनमें रिज्यूमे बनाने की विधि और उसके लेटेस्ट फॉर्मेट आ जाएंगे। सबसे पहले रिज्यूमे में आपको अपना व्यक्तिगत परिचय, नाम, संपर्क और पते की डिटेल्स देना होता है। फिर यह बताएं कि आप जॉब के लिए क्यों अप्लाई कर रहे हैं और इसके बाद क्वालिफिकेशन व एक्सपीरियंस के बारे में जानकारी दें। आखिर में आपको यह बताना होता है कि आपमें ऐसी क्या खासियत है, जिसके कारण आप उस जॉब के लिए अप्लाई कर रहे हैं। साथ ही आप रिज्यूमे में अपनी पॉजिटिव चीजें बताएं कि आप किस तरह से उस जॉब के लिए परफेक्ट हैं।

विदेश में जाकर नौकरी करने की सबकी अपनी वजहें होती हैं। कोई करियर में ग्रोथ के लिए विदेश का रुख करता है तो कोई आर्थिक रूप से मजबूत होने के लिए जाता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो बेहतर जीवन-शैली से प्रभावित होकर विदेशों में बस जाते हैं। हालांकि, विदेश में नौकरी करना तो सब चाहते हैं, लेकिन उसे कैसे हासिल किया जाए, ये बेहद ही कम लोगों को मालूम है। ऐसे में आइए जानते हैं कि विदेश में काम करने के इच्छुक लोग किस तरह से नौकरी पाने के लिए रणनीति बना सकते हैं।

विदेश में करनी है नौकरी, पाना चाहते हैं मोटी सैलरी?

बस करने होंगे ये जरूरी काम

भारतीयों के लिए विदेश में नौकरी करना फायदे का सौदा साबित हो सकता है। विदेशी मुद्रा के ज्यादा मूल्य होने की वजह से विदेश में काम करना आर्थिक रूप से काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि लोगों को अलग-अलग संस्कृतियों को सीखने का मौका मिलता है और वे नेटवर्किंग भी कर पाते हैं। इसकी वजह से किसी भी शख्स को ग्लोबल जॉब मार्केट में नौकरी ढूंढने में फायदा मिलता है, जो अच्छे करियर की नींव रखने का भी काम करता है।

विदेश में नौकरी कैसे पाएं?

सही देश का चुनाव- जो लोग विदेश में नौकरी करना चाहते हैं, उन्हें सबसे पहले सही देश का चुनाव करना होगा। काम करने के लिए देश चुनते समय वहां होने वाले खर्चे, जीवनशैली, सैलरी और संस्कृति के आधार पर फैसला लेना चाहिए। गलत देश का चुनाव आपकी जेब पर तो भारी पड़ेगा ही, साथ ही साथ आपको तनाव भी दे जाएगा।

नियम कायदे को समझना

जिस देश में काम करने की योजना बनाई जा रही है, उस देश के नियमों-कायदों को समझना जरूरी होता है। इसमें वीजा नीतियां और श्रम कानून शामिल हैं। कुछ कंपनियां नौकरी के साथ वीजा भी मुहैया करती हैं, जबकि कुछ ऐसा नहीं करतीं, इसलिए इस मुद्दे पर पहले से रिसर्च करना जरूरी है।

बेहतरीन रिज्यूम तैयार करना

उम्मीदवारों को अपना बायोडाटा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुसार डिजाइन करना चाहिए। नौकरी पाने की संभावना बढ़ाने के लिए यह एप्लिकेशन ट्रैकिंग सिस्टम (एटीएस) के अनुकूल होना चाहिए। बायोडाटा में उन सर्टिफिकेट्स को भी शामिल किया जा सकता है, जिसे आपने हासिल किया है।

कनेक्शन बनाना

लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म पर कनेक्शन बनाने से नौकरियों के लिए रेफरल मिलना आसान हो जाता है। विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अपने सेक्टर से जुड़े वर्कर्स के साथ नेटवर्क बनाना चाहिए, जो पहले से ही विदेश में काम कर रहे हैं।

हायरिंग एजेंसी

विदेश में नौकरी के लिए उन कंसल्टिंग एजेंसियों का भी सहारा लिया जा सकता है, जो लोगों की नौकरियां लगवाती हैं। हालांकि, इस दौरान सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि कुछ एजेंसियां झूठे वायदे कर पैसे की ठगी कर लेती हैं।

कहां अप्लाई करें

प्रोफेशनल्स वर्कर्स को लिंक्डइन, मॉन्स्टर डॉट कॉट जैसे प्लेटफॉर्म पर वैकेंसी की डिटेल्स मिल जाती हैं। यहां से नौकरियों के लिए अप्लाई किया जा सकता है। हालांकि, सेमी-प्रोफेनल्स वर्कर्स हायरिंग एजेंसियों की मदद ले सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

आयकर रिटर्न का आज आखिरी दिन, सर्वर धीमा होने से लोग परेशान

गुरुग्राम। आयकर रिटर्न दाखिल करने का आखिरी दिन सोमवार है। आयकर विभाग की वेबसाइट धीमी होने के कारण रिटर्न भरने वालों को काफी दिक्कत आ रही है। शहर के सीए, टैक्स कंसल्टेंट और विशेषज्ञों ने आयकर जमा करने के लिए पांच से 10 दिनों का अतिरिक्त समय देने की मांग की है।

सीए मनोज कुमार ने बताया कि आयकर रिटर्न भरने में काफी दिक्कत आ रही है। पोर्टल धीमा चलने के कारण सलाहकार काम नहीं कर पा रहे हैं। वित्तीय सलाहकार एडवोकेट पंकज वर्मा ने बताया कि रविवार शाम पोर्टल चलना शुरू हुआ मगर कई फंक्शन अभी भी काम नहीं कर रहे हैं। टैक्स चालान तो बिल्कुल जमा नहीं कर पा रहे हैं। वेबसाइट सही ढंग से काम नहीं कर रही है। बार-बार सर्वर से लिंक हट जाने के कारण मुश्किलें आ रही हैं। सुबह से पोर्टल पर कोई काम नहीं हो पाया है। एक भी रिटर्न फाइल नहीं कर पाए हैं। टैक्स सलाहकार चंद्रभान ने कहा कि शनिवार को भी पोर्टल ठीक से काम नहीं कर रहा था। सरकार को कम से कम 10 दिन का समय देना चाहिए ताकि सभी के टैक्स भरे जा सके। कर सलाहकारों को पोर्टल धीमा होने से काफी दिक्कत आ रही है।

यातायात सुगम करने के लिए पटवार घर के सामने खुला कट

गुरुग्राम। यातायात सुगम करने के लिए पटेल नगर के पास स्थित पटवार घर के सामने से बने कट से पुलिस ने बैरिकेड हटा दिए हैं। कई महीनों से इस कट पर बैरिकेड लगाकर रास्ता बंद किया हुआ था।कट बंद होने से सिविल लाइन की तरफ से आने वाले वाहनों को जिला सत्र एवं न्यायालय के घर के सामने से घूम कर आना पड़ता था। इससे वहां पर जाम की स्थिति बन जाती थी। इससे ही जिला सत्र एवं न्यायालय की घर की तरफ से अगर किसी वाहन चालक गलत दिशा में झाड़सा चौक की तरफ चला जाता है तो उन्हें अब एक किलोमीटर दूर से कट नहीं लेना पड़ेगा अब वह पटवार घर के पास से ही यू-टर्न ले सकेंगे। इससे प्रतिदिन यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी राहत मिलेगी।

सड़क हादसे में मृतकों के परिजनों को मिलेगा 54.67 लाख का मुआवजा

गुरुग्राम। पांच साल पहले केएमपी तावडू के पास ट्रक की चपेट में आने से वाहन में सवार युवक-युवती की मौत पर परिजनों को 54.67 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। यह आदेश मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण अमित गौतम ने दिया है। मृतक राहुल की तरफ से माता गीता देवी और पिता उमेध सिंह ने याचिका डाली थी। मृतक हिना शर्मा की तरफ से उनके पति प्रतीक शर्मा ने याचिका दायर की थी। उन्होंने याचिका में बताया कि 28 नवंबर 2019 को वह कंपनी का काम करके वापस आ रहे थे। इस दौरान जब वह केएमपी तावडू के पास पहुंचे तो तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी थी। इससे राहुल और हिना गंभीर रूप से घायल हो गए थे। राहुल की मौके पर ही मौत हो गई थी। हिना को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां पर उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

केवी सबस्टेशन और 24 मीटर की सड़क का कर रहे इंतजार

गुरुग्राम। सेक्टर-90 स्थित न्यू टाउन हाइट्स के 13 टावरों में रहने वाले करीब 1200 परिवार आए दिन बिजली संकट का सामना कर रहे हैं। वर्ष 2013 से सोसाइटी में अब तक 11 केवी के अस्थाई बिजली कनेक्शन लगे हुए हैं। सोसाइटी के लोगों को मुख्य सड़क पर निकलने के लिए 10 मीटर के गांव की सड़क से गुजरना होता है। सोसाइटी में आयोजित संवाद में निवासियों ने अपनी समस्याएं रखीं।

न्यू टाउन हाइट्स समेत आसपास की सोसाइटियों को सीवेज और ड्रेनेज की लाइन से नहीं जोड़ा गया है। इलाके में जीएमडीए की सीवेज लाइन और ड्रेनेज लाइन नहीं है। सोसाइटी में अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था नहीं है। सोसाइटी के खाली प्लॉटों में गंदा पानी जमा है। लोगों ने बताया कि मुख्य सड़क से सोसाइटी की कनेक्टिविटी, सीवेज लाइन से कनेक्टिविटी जैसे मुख्य कार्य अधूरे हैं। कार्यक्रम में नरेश गुप्ता, जेके सिंगला, आरएस छिकारा, बलवंत सिंह नेहरा, डेरेक पाइवा, राधे श्याम गुप्ता, तरुण चावला, अनुज गुप्ता, विवेक आहूजा, सुभाष मित्तल, दिनेश गुलयानी, राजेश मोहन, रवि कुमार, सतीश आहूजा, ओपी वर्मा, रविंद्र सेठ और कमल शर्मा ने अपनी बातें रखीं।

लोगों ने कहा: यहां के निवासी कई वर्षों से बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। वर्ष 2013 में बिल्डर द्वारा नियुक्त गवर्निंग बॉडी ने मात्र 11 केवी के बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आवेदन किया था, जबकि 33 केवी का करना चाहिए। इस गलत आवेदन का खामियाजा आज तक भुगत रहे हैं। - राधेश्याम गुप्ता

60 मीटर रोड से हमारी कनेक्टिविटी नहीं है। सोसाइटी के एक हिस्सा तो बिल्कुल कटा हुआ है। इससे बाहर निकलने के लिए दूसरे हिस्से के गेट से होकर जाना पड़ता है। जबकि जब फ्लैट बेचते समय हमारी सोसाइटी की कनेक्टिविटी 24 मीटर रोड के साथ दिखाई गई थी।- अनुज गुप्ता

यहां सार्वजनिक परिवहन की सुविधा नहीं है। पहले 132बी बस सोसाइटी के पास से जाती थी मगर डेढ़ साल पहले बंद हो गई। यहां किसी तरह का सार्वजनिक परिवहन नहीं है। मुख्य सड़क से अंदर होने के कारण कैब बुक होने में भी दिक्कत आती है। - बलवंत सिंह नेहरा

इलाके में सीवेज और ड्रेनेज लाइन नहीं है। जिस कारण आसपास के खाली प्लॉट में काफी गंदा पानी जमा हो जाता है। सोसाइटियों को अपने सीवेज ट्रीट करने के निर्देश हैं मगर सफाई के बाद भी निकासी के साधन नहीं है। - रविंद्र सेठ

1954 से शुरू हुआ था दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव; 1971 तक कांग्रेस के दो दिग्गजों का रहा दबदबा

नई दिल्ली : डूसू चुनावों का इतिहास जितना लंबा है, उतना ही दिलचस्प भी रहा है। आज ये चुनाव राष्ट्रीय स्तर की छात्र राजनीति से जुड़कर चर्चाओं में रहते हैं, लेकिन शुरूआती दौर में इसका स्वरूप कुछ और ही था। वर्ष 1954 में डूसू चुनाव की शुरूआत हुई। तब न तो किसी बड़े दल से जुड़ा छात्र संगठन सक्रिय था और न ही कांग्रेस का आधिकारिक छात्र मोर्चा मौजूद था। यही कारण था कि शुरूआती 18 चुनाव में दिल्ली कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के गुट ही इन चुनावों की असली ताकत बने रहे। दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री चौधरी ब्रह्म प्रकाश और कांग्रेस नेता एचकेएल भगत इस दौर में छात्र राजनीति के सबसे प्रभावशाली संरक्षक माने जाते थे।

कांग्रेस गुटबाजी का आईना बने डूसू चुनाव

दोनों नेता अपने-अपने समर्थक छात्र नेताओं को चुनाव मैदान में उतारते थे। लिहाजा उनके समर्थक छात्रों के बीच चुनाव में टक्कर होती थी। नतीजतन, डूसू चुनाव छात्रों के लिए राजनीति में प्रवेश का बड़ा मंच तो बने ही, साथ ही यह दिल्ली की कांग्रेस राजनीति में गुटबाजी का आईना भी साबित हुए।

1971 में बनी एनएसयूआई, 1972 में उतरी डूसू चुनाव में : कांग्रेस ने 1971 में अखिल भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ का गठन किया, लेकिन उसने डूसू चुनाव में उतरने की शुरूआत 1972 से की। इसका मतलब है कि लगभग 18 साल

तक कांग्रेस का कोई आधिकारिक छात्र संगठन मौजूद नहीं था। डूसू चुनाव में चौधरी ब्रह्म प्रकाश और एचकेएल भगत जैसे नेताओं के समर्थक छात्रों का बोलबाला रहा। ये छात्र नेता बाद में दिल्ली की राजनीति में बड़े पदों पर पहुंचे। कभी चौधरी ब्रह्म प्रकाश गुट के समर्थक छात्र नेता अध्यक्ष पद जीतते, तो कभी भगत गुट के। ऐसे में डूसू के कई अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी दिल्ली की मुख्यधारा की राजनीति में चमकते सितारे बने।

डूसू के जरिए राजनीति में आगे बढ़े

उस दौर में डूसू के जरिए राजनीति में कदम रखने वाले कई नाम आगे चलकर बड़े पदों तक पहुंचे। सबसे प्रमुख नाम सुभाष चोपड़ा का है। चोपड़ा न केवल दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष बने, बल्कि दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष भी रहे।

बच जाती मेरे पिता की जान, आखिर 22 KM दूर क्यों.., वित्त मंत्रालय के अफसर की मौत पर बेटे के सवाल

नई दिल्ली : दिल्ली कैंट के धौलाकुआं इलाके में एक बीएमडब्ल्यू कार ने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में कार्यरत उप सचिव नवजोत सिंह को कुचल दिया। हादसे में उनकी मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी घायल हो गई। दोनों बाइक पर सवार थे। नवजोत सिंह की मौत पर उनके बेटे ने सवाल उठाए हैं।

मृतक के बेटे नवनूर सिंह का आरोप है कि हादसे के बाद उनके पिता को किसी बड़े सुपरस्पेशलिटी अस्पताल या एम्स जैसे संस्थान ले जाने की बजाय 22 किलोमीटर दूर एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया, यहां जरूरी सुविधाएं उपलब्ध ही नहीं थीं। उनके माता-पिता को एंबुलेंस की बजाय डिलीवरी वैन में अस्पताल ले जाया गया। सही इलाज न मिलने के कारण पिता की जान चली गई।

नवनूर ने बताया कि उनके माता-पिता बंगला साहिब गुरुद्वारे से लौट रहे थे और कर्नाटक भवन में खाना खाने के लिए रुके थे। जब यह हादसा हुआ, तब वे धौला कुआं होते हुए हरि नगर जा रहे थे। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाने के बजाय, दुर्घटनास्थल से लगभग 22 किलोमीटर दूर एक अस्पताल ले जाया गया।

उन्होंने दावा किया कि उनकी मां को गंभीर हालत होने के बाद भी अस्पताल की लॉबी में बैठाया गया, मेरी मां दर्द से चीखती रहीं, जबकि बीएमडब्ल्यू चालक के पति, जिन्हें मामूली चोटें आई थीं उन्हें तुरंत भर्ती कर लिया गया। उन्होंने आगे कहा लापरवाही और देरी के कारण मेरे पिता की मौत हो गई। बाद में परिवार ने मां को बेहतर इलाज के लिए वेंकटेश्वर अस्पताल में भर्ती कराया।

देश की राजधानी दिल्ली में रिंग रोड स्थित दिल्ली छावनी मेट्रो स्टेशन के पास एक रविवार को इटह कार ने बाइक को टक्कर मार दी, हादसे में केंद्रीय वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी की मौत हो गई और उनकी पत्नी समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में उप सचिव नवजोत सिंह (52) के रूप में हुई है, जो हरि नगर के निवासी थे। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस

उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि रविवार दोपहर एक बजे धौला कुआं से दिल्ली कैंट मेट्रो स्टेशन रोड की ओर ट्रैफिक जाम की सूचना से संबंधित तीन पीसीआर कॉल मिली।

दिल्ली कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने वहां एक बीएमडब्ल्यू कार सड़क पर तिरछी खड़ी थी और एक बाइक मेट्रो पिलर संख्या 67 के पास सड़क के डिवाइडर के पास क्षतिग्रस्त हालत में खड़ी थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बीएमडब्ल्यू कार एक महिला चला रही थी, जिसने बाइक को टक्कर मार दी।

हादसे में बाइक सवार और उनकी पत्नी लोग घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिसमें पता चला कि कार के सेंट्रल वर्ज से टकराने के कारण अनियंत्रित हुई और बाइक से टकरा गई। टक्कर लगने के बाद बाइक सवार बाईं ओर बस से टकरा गए।

इसके बाद महिला और उसका पति कैब लेकर घायलों को घटनास्थल से 22 किलोमीटर दूर जीटीबी नगर स्थित एक अस्पताल ले गए। फिर पुलिस को न्यू लाइफ अस्पताल से नवजोत सिंह के मृत होने की जानकारी मिली। पुलिस ने मौके से वाहनों को जब्त कर लिया। पुलिस ने क्राइम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने वहां से साक्ष्य हासिल किए।

पुलिस अस्पताल पहुंचकर नवजोत सिंह के शव को कब्जे में कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि नवजोत सिंह भारत सरकार में वित्त मंत्रालय में कार्यरत थे और हरि नगर में रहते थे। उनकी पत्नी घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है। वहीं आरोपी महिला कार चालक गुरुग्राम के निवासी हैं। पति कारोबारी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, कार गगनप्रीत कक्कड़ चला रही थी। पति परीक्षित कक्कड़ भी उसके साथ था। आरोपी दंपती भी हादसे में घायल हुए हैं। दंपती भी अस्पताल में भर्ती हैं।

पुलिस का बयान सामने आया

दिल्ली पुलिस ने कहा कि धारा 281/125इ/105/238 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच के दौरान एफएसएल टीम और अपराध टीम ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया है। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों बीएमडब्ल्यू और मोटरसाइकिल की भी जांच हो रही है। पुलिस ने आगे बताया कि आरोपी महिला और उसका पति अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। वे घोड़े के चमड़े की काठी, सीट, कवर, बेल्ट आदि बनाने का व्यवसाय करते हैं। आगे की जांच जारी है। केंद्रीय सचिवालय सेवा मंच के अध्यक्ष उदित आर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में नवजोत सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में दुखद रूप से अपनी जान गंवाने वाले नवजोत सिंह सर के परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना।

इंश्योरेंस कंपनी का कर्मचारी बनकर ठगी में एक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। ऑनलाइन इंश्योरेंस कंपनी का कर्मचारी बनकर 35288 रुपये की ठगी के मामले में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी भारत वर्मा झज्जर बहादुरगढ़ के माडल टाउन का रहने वाला है। पूछताछ में पता चला कि भारत ने ही शिकायतकर्ता के पास पॉलिसी बाजार कंपनी का कर्मचारी बनकर कॉल की थी। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपी बीए पास है। इसे पूछताछ के बाद साइबर क्राइम थाना बल्लभगढ़ की टीम ने अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है। ठगी को लेकर पुलिस को यह शिकायत दरियाव नगर रोहतक निवासी व्यक्ति ने दी। इसमें आरोप लगाया गया कि उनके पास एक नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को पॉलिसी बाजार कंपनी का कर्मचारी बताया। उसने कहा कि आपकी इंश्योरेंस पॉलिसी रिन्यू होनी है। आरोपी ने इसके लिए 17644 रुपये की पेमेंट करने को कहा। अगले दिन आरोपी ने फिर से कॉल कर कहा कि आपकी पेमेंट नहीं हो सकी और अब आपको फिर से पेमेंट करनी होगी। बाद में पॉलिसी भी नहीं मिली तो कंपनी के कस्टमर केयर नंबर पर कॉल की।

पुलिस ने चलाया विशेष चेकिंग अभियान, 168 के काटे चालान

फरीदाबाद। सेंट्रल जोन के इलाके में फरीदाबाद पुलिस की अलग-अलग टीमों ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान अपराध शाखा, यातायात पुलिस व थानों की संयुक्त टीमों ने 11 जगहों पर नाके लगाए। इन नाकों पर 674 वाहनों को रुकवाकर चेक किया गया और इनमें से 168 के चालान काटे गए। इस दौरान शीशों पर काली फिल्म, बगैर नंबर प्लेट, दुपहिया पर दो से अधिक सवारी आदि वाहनों के चालकों पर विशेष तौर से कार्रवाई की गई। फरीदाबाद पुलिस की ओर से जिले में अपराधियों पर कार्रवाई, कानून व्यवस्था व सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार 13 सितंबर को सेंट्रल जोन में ये कार्रवाई की गई। इस दौरान कार्रवाई के लिए अपराध शाखा, यातायात पुलिस व थानों की संयुक्त टीमें बनाई गई। इन टीमों ने सेंट्रल जोन में 11 स्थानों पर नाके लगाए गए। इन स्थानों में सन फ्लैग चौक सेक्टर-16, डीपीएस चौक, मुंबई एक्सप्रेसवे नियर एसओएस स्कूल, अमृता अस्पताल मेन गोल चक्कर, अमौलिक चौक, कोर्ट मोड नाका नियर ढाबा जंक्सन, एनएचपीसी चौक, सेक्टर-37 न्यू पल्ला पूल, व्हाइट हाउस नाका, बदरपुर बाई पास रोड नाका व सेक्टर-15/15अ पुलिस चौकी सेक्टर-15 शामिल रहे। टीमों ने नाकों पर 674 वाहनों को चेक कर 168 वाहनों के चालान किए गए।

क्रेडिट कार्ड का सत्यापन कराने के नाम पर 3.45 लाख ठगे

गुरुग्राम। जालसाजों ने क्रेडिट कार्ड के सत्यापन कराने के नाम पर युवक से 3,45,092 रुपये ठग लिए। पीड़ित ने फेसबुक पर फ्री अमेरिकन एक्सप्रेस कार्ड का विज्ञापन देकर एक फॉर्म भरा था। इसके बाद उसके दो क्रेडिट कार्ड से यह राशि निकाली गई। पीड़ित की शिकायत के आधार पर शनिवार को पुलिस ने साइबर अपराध थाना दक्षिण में केस दर्ज किया है।

सेक्टर-60 निवासी अनिल आनंद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने 24 अगस्त को फेसबुक पर मुफ्त में अमेरिकन एक्सप्रेस का क्रेडिट कार्ड बनाने का विज्ञापन देखा था। इसके बाद उसने एक फॉर्म भर दिया। 31 अगस्त को उसके पास क्रेडिट कार्ड के सत्यापन करने संबंधी एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने उनको कार्ड की कुछ फोटो डाउनलोड करने के लिए कहा। फोटो डाउनलोड करते ही पीड़ित का मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद जालसाज ने अनिल आनंद को बातों में उलझाकर मोबाइल में मौजूद कोटक और आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड के बारे में डीओबी व मेल आईडी पूछ ली।

जालसाजों ने इसके कुछ देर बाद तक बातों में उलझाए रखा और उसके कोटक बैंक के क्रेडिट कार्ड से 10 बार में 1,95,730 रुपये की ट्रांजेक्शन कर ली।

साफ हवा और हरियाली के लिए डीडीए की 16 नई परियोजनाएं, अदकमें आएगा सुधार और सांसों में ताजगी

नई दिल्ली : दिल्लीवासियों की ताजगी भरी सांसों के लिए डीडीए ने 16 नई परियोजनाएं शुरू की हैं। बड़े पैमाने पर सड़कों, सेंट्रल वर्ज, पार्कों और खाली मैदानों को अच्छी क्वालिटी के पौधों और घास से हराभरा किया जाएगा। यह कदम दिल्ली के लिए महत्वपूर्ण है जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अक्सर खराब रहता है। निश्चित रूप से ज्यादा पेड़-पौधे कार्बन सोखेंगे और हवा साफ करेंगे। फूलों से भरे पार्कों में घूमकर लोग तनाव दूर करेंगे। ये योजनाएं जल्द शुरू होंगी। सभी परियोजनाएं दिल्ली के दक्षिण, केंद्र और उत्तर-पूर्वी हिस्से पर केंद्रित हैं। कालकाजी, तेहखंड, पुराना किला, अंबेडकर पार्क, नंद नगरी, शास्त्री पार्क से लेकर मंडोली तक फैली हैं। इनमें पौधे लगाने के लिए नदी की मिट्टी, नई किस्म के पौधे, घास और यमुना रेत की सप्लाई होगी। कई पार्कों का रखरखाव किया जाएगा। इससे दिल्ली ग्रीन सिटी बनेगी और शहरवासियों को बेहतर जीवनशैली मिलेगी। इन योजनाओं पर 19.87 करोड़ रुपये खर्च होंगे। डीडीए के हॉर्टिकल्चर विभाग ने ई-टेंडर जारी कर दिए हैं। टेंडर की बोलियां 24 सितंबर को खुलेंगी और तुरंत काम शुरू हो जाएगा। इन इलाकों में बिछेगी हरियाली की चादर : पहली परियोजना कालकाजी के लिए है जिसमें पौधे लगाने के लिए मिट्टी व पौधों की सप्लाई होगी। इसकी लागत 29.64 लाख रुपये रखी गई है। दूसरी में इंद्रप्रस्थ पार्क के पास नेशनल स्टेडियम और सराय काले खां के ग्रीनवे के लिए 24.17 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। तीसरी के तहत आंबेडकर पार्क और पुराना किला के पास हरियाली के लिए 15.50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। चौथी में तेहखंड फेज-1 में डीईएसयू सब स्टेशन के पास 59 लाख रुपये से हरियाली विकसित की जाएगी। पांचवीं परियोजना आंबेडकर पार्क के पास की है, जिसकी लागत 24.17 लाख रुपये तय है। छठी आशा किरण के पास है जिसकी लागत 15.50 लाख रुपये है। सातवीं परियोजना में एमबी रोड के बीच 3.32 लाख रुपये से हरियाली विकसित की जाएगी। आठवीं के तहत जेपी सिटी फॉरेस्ट के चिल्ड्रन पार्क के लिए 21.31 लाख रुपये खर्च होंगे। सभी परियोजनाओं में अच्छी क्वालिटी की मिट्टी, यमुना की रेत, नीम की खली, गमले, पौधे और घास की सप्लाई होगी। डीडीए के अधिकारियों ने बताया कि ये सामग्री पार्कों को लंबे समय तक हरा-भरा रखने में मदद करेगी। सभी कार्य दो माह में पूरे किए जाएंगे। सिंचाई और रखरखाव 15वीं परियोजना सिंचाई के लिए पानी टैंकर की व्यवस्था करने के लिए है जिसकी लागत 27.82 लाख रुपये रखी गई है। 16वीं परियोजना साइटों पर टैंकर से सिंचाई करने के लिए है जिसकी लागत 7.90 करोड़ रुपये है। ये सारे काम 300 दिनों में पूरे किए जाएंगे।

यमुना में मिलाकर बहाया जा रहा घरेलू और औद्योगिक कचरा, कोर्ट ने कहा- ब्लेम गेम बंद करे सरकार

पूर्वी दिल्ली : हाईकोर्ट ने यमुना नदी के प्रदूषण को रोकने के लिए स्वतः संज्ञान लेते हुए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) और कॉमन एंफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स (सीईटीपी) की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने फैसले में कहा कि दिल्ली में घरेलू सीवेज और औद्योगिक कचरे का मिश्रण हो रहा है।

ज्यादातर इंडस्ट्रीज बिना ट्रीटमेंट के कचरा नालों में डाल रहे जिससे उपचारित पानी के साथ मिलकर यमुना में बह रहा है। इससे ट्रीटमेंट का पूरा उद्देश्य बेकार हो जाता है। अदालत ने दिल्ली सरकार की 29 अगस्त 2025 की एक्शन टेकन रिपोर्ट को अन्य रिपोर्टों से विपरीत बताते हुए कहा कि बिना ब्लेम गेम के तीन मुख्य पहलुओं पर व्यापक कदम उठाने की जरूरत है ड्रेनेज मास्टर प्लान : दिल्ली के मौजूदा स्टॉर्म वाटर और सीवेज ड्रेन सिस्टम का नक्शा तैयार किया जाए। आईआईटी-दिल्ली द्वारा 2018 में तैयार ड्रेनेज मास्टर प्लान को अपडेट किया जाए। मुख्य सचिव जीएनसीटीडी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कंसल्टेंट रिपोर्ट्स : नजफगढ़ बेसिन (एम/एस हास्कोनिंग डीएचवी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड), बारापुला बेसिन और ट्रांस-यमुना बेसिन (एम/एस ग्रीन डिजाइन एंड इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड) के लिए कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट्स कोर्ट में पेश की जाएं। मुख्य सचिव इनकी सिफारिशों पर फैसला लें, लेकिन अगली सुनवाई तक कोई टेंडर जारी न किया जाए। एजेंसियां कोर्ट में हाजिर हो सकती हैं। एसटीपी और सीईटीपी पर एक्शन : दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) एसटीपी के लिए व्यापक एक्शन प्लान पेश करे। सीईटीपी के लिए दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी (डीपीसीसी) को पार्टी बनाया गया है। डीपीसीसी को 19 सितंबर 2025 को हाजिर होकर सभी इंडस्ट्रियल एरिया का चार्ट पेश करना होगा..

मोदी के 75वें जन्मदिन पर दिव्यांगों और बुजुर्गों को 64.66 करोड़ का खास गिफ्ट, जानें क्या-क्या शामिल

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर 17 सितंबर से शुरू हो रहे सेवा पखवाड़े में दिल्ली सरकार दिव्यांगों और बुजुर्गों को भी खास तोहफा देगी। कॉलेज जाने वाली दृष्टिबाधित छात्राओं को अटल दृष्टि छात्रावास, बौद्धिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों को अटल आशा गृह और बुजुर्गों को सावित्रीबाई फुले वरिष्ठ नागरिक गृह मिलेंगे। कुल 64.66 करोड़ रुपये की लागत से बने ये केंद्र विशेष वर्ग के लोगों को आत्मनिर्भर और सम्मान से जीने के अवसर देंगे।

अमित शाह करेंगे शुभारंभ उद्घाट

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह त्यागराज स्टेडियम से इनका शुभारंभ उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने रविवार को बताया कि उनकी सरकार असहाय वर्ग के लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए काम कर रही है। किसी भी वर्ग को सुविधाएं देने से सरकारी पीछे

नहीं हटेगी। तिमारपुर में डीयू के पास 13.42 करोड़ रुपये की लागत से दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए चार मंजिला छात्रावास बनाया गया है। करीब 3703.43 वर्गमीटर में बने इस भवन में 96 छात्राओं के रहने की जगह है। इसे छात्राओं की सुविधा के लिहाज से डिजाइन किया गया है, उसी के अनुरूप सहायक सुविधाएं लगाई गई हैं।

वरिष्ठ नागरिक गृह बनेगा 96 का ठिकाना

पश्चिम विहार में 10.64 करोड़ रुपये से 2257 वर्गमीटर में चार मंजिला सावित्रीबाई फुले वरिष्ठ नागरिक गृह बनाया गया है। इसमें 96 बुजुर्गों के लिए रहने का इंतजाम है। इस केंद्र में चिकित्सा, पौष्टिक भोजन और मनोरंजन की सुविधाएं भी मिलेंगी।

कमजोर वर्गों के लिए ये नई उम्मीद

मुख्यमंत्री ने बताया कि विशेष वर्ग के लोगों के लिए ये केंद्र अटल बिहारी वाजपेयी और सावित्रीबाई फुले की स्मृति में बनाए गए हैं। ये पहल कमजोर वर्गों को सुविधाएं देगी। प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू होकर गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री जयंती तक चलने वाले सेवा पखवाड़े में 75 योजनाएं शुरू होंगी।

अटल आशा गृह में 220 लोगों को मिलेगी जगह : नरेला में 40.60 करोड़ रुपये की लागत से 12,500 वर्गमीटर में चार मंजिला अटल आशा गृह बनाया गया है। इसमें बौद्धिक रूप से दिव्यांग 220 लोग रहेंगे, इन्हें भोजन, स्वास्थ्य जांच, शिक्षा, खेल और मनोरंजन की सुविधाएं भी यहीं पर मिलेंगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)